RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 123 ● भिलाई, सोमवार 17 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

शार्ट सर्किट से घर में लगी आग, एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा जले

मुजफ्फरनगर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर थाना क्षेत्र में देर रात एक घर में आग लग जाने से एक ही परिवार के पांच लोगों की जलकर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना मोतीपुर के वार्ड नंबर 13 की है। बताया जाता है कि ललन कुमार का पूरा परिवार शुक्रवार की रात खाना खाकर आराम से सोया था। देर रात उनके घर में आग लग गई। रात में आग लगने की घटना की सूचना पड़ोसियों को हुई तो उन्होंने घर से लोगों को निकालने का प्रयास किया, लेकिन वे पांच लोगों को नहीं बचा सके। मोतीपुर के थाना प्रभारी संजीव कुमार सिंह ने बताया कि इस दुर्घटना में पांच लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई जबकि पांच अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। मृतकों में ललन कुमार के अलावा उनकी पत्नी, मां और दो बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। हालांकि, प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

अमृतसर रूरल के एसएसपी सस्पेंड, सीएम ने दिए आदेश

अमृतसर। पंजाब सरकार ने अमृतसर रूरल के एसएसपी मनिंदर सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने यह कदम जिले में लगातार बढ़ रही गैंगस्टर गतिविधियों और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण न हो पाने के कारण उठाया है। सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में जिले में कई संगठित आपराधिक मामलों में देरी, ढिलाई और समय पर कार्रवाई न होने जैसी शिकायतें सामने आ रही थीं। कई घटनाओं में पुलिस की धीमी प्रतिक्रिया और गिरोहबंद अपराध पर अंकुश लगाने में असफलता को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया। सरकारी अधिकारियों की रिपोर्ट में यह भी उल्लेख था कि इलाके में सक्रिय गैंगों पर निगरानी कमजोर पड़ रही थी और कई मामलों में खुफिया इनपुट होने के बावजूद ठोस ऑपरेशन नहीं चलाए गए। इससे अपराधियों के हौसले बढ़ने का खतरा था।

यूपी में अब 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को नहीं भरना पड़ेगा पेंशन फॉर्म

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने हुई कैबिनेट बैठक में वृद्धावस्था पेंशन को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब राज्य में 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को बिना किसी फॉर्म भरने की आवश्यकता के पेंशन मिल सकेगी। फिलहाल यह सुविधा 67.50 लाख बुजुर्गों को मिल रही है। बैठक में बताया गया कि 'एक परिवार, एक पहचान' योजना के तहत हर परिवार के 60 वर्ष से अधिक आयु वाले सदस्यों का पूरा डाटा सरकार के पास उपलब्ध होगा। इसी आधार पर पात्र बुजुर्गों को स्वत: ही वृद्धावस्था पेंशन प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही कैबिनेट ने कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णयों को भी मंजूरी दी। समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण।

जनमिलिशिया कमांडर और स्नाइपर माड़वी देवा शामिल

नक्सली मुठभेड़ में 2 महिला समेत 3 हार्डकोर माओवादी ढेर

सुकमा/ संवाददाता

छत्तसीगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में रविवार की सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। अभी तक तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। फ्लिहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। एनकाउंटर जिले के भेज्जी-चिंतागुफा के बीच के घने जंगलों में हुआ है। फिरहाल दोनों तरफ से रुक रुककर फायरिंग हो रही है। दरअसल, डीआरजी जवानों की टीम जंगलों में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सर्चिंग पर निकली हुई थी। इसी दौरान घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। मौके पर जवानों ने भी मुस्तैदी से इसका जवाब दिया और काउंटर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद मुठभेड़ तेज हो गई। रविवार की सुबह हुए मुठभेड़ में तीन हार्डकोर माओवादी मारे गए। इनमें कुख्यात जनमिलिशिया कमांडर और स्नाइपर माड़वी देवा भी शामिल है। मुठभेड़ स्थल से सुरक्षाबलों ने .303 राइफ्ल, बीजीएल लॉन्चर्स और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया। मारी गई अन्य दो माओवादी महिलाओं की पहचान पोड़ियम गंगी और सोड़ी गंगी के रूप में हुई है। इन दोनों पर 5-5 लाख का इनाम था। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया गया 16 नवंबर के दिन जिला सुकमा के थाना भेज्जी और चिंतागुफा के सीमावर्ती क्षेत्र क्षेत्र के तुमालपाड़ जंगल और पहाड़ी इलाके में माओवादियों की मौजूदगी की विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर जिला रिजर्व गार्ड की टीम द्वारा क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। सर्च

अभियान के दौरान प्रात: से डीआरजी जवानों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई। प्रारंभिक सूचना के अनुसार तुमालपाड़ मुठभेड़ स्थल से अब तक 02 महिला माओवादी सहित कुल 03 माओवादी कैडरों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। आईजी सुन्दरराज ने कहा कि यह माओवादी संगठन पर बड़ा प्रहार है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि माओवाद अब बस्तर में अपने अंतिम चरण में है। माओवादी कैडरों के लिए हिंसा का मार्ग छोड़कर सरकार की पुनर्वास नीति अपनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने चेतावनी दी कि संगठन की पकड़ टूट चुकी है और अब उनकी दहशत और भ्रम का षड्यंत्र बस्तर में नहीं चलेगा। रुक रुककर हो रही फायरिंग के बीच तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है क्योंकि मुठभेड़ अभी भी जारी है। सुरक्षाबल के जवान लगातार इलाके को घेरते हुए आगे बढ़ रहे हैं। ताकि नक्सलियों के भागने के सभी रास्ते बंद किए जा सकें। बस्तर आईजी ने बताया कि पुलिस, सुरक्षा बलों और विभिन्न हितधारकों की संयुक्त कार्रवाई से बस्तर में बचे हुए नक्सली ठिकानों का तेजी से सफाया किया जा रहा है। बस्तर रेंज में साल 2025 में अब तक Central Committee Members, DKSZC Members और PLGA Cadres सहित कुल 233 माओवादी मारे जा चुके हैं, जो माओवाद की निर्णायक पराजय का प्रमाण है। छत्तीसगढ़ में इस महीने में एनकाउंटर की दूसरी कार्रवाई है।

छत्तीसगढ़ में अंतिम सांसें ले रहा नक्सलवाद :सीएम साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछले दो वर्षों में 2,000 से अधिक नक्सलियों ने हथियार डाल दिए हैं और राज्य में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। आगे सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च, 2026 तक भारत से नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया है। जगदलपुर में आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साय ने कहा कि नक्सलवाद के जड़ से उखाड़ दिए जाने के बाद बस्तर क्षेत्र में तेजी से विकास होगा। उन्होंने कहा नक्सलवाद अपनी अंतिम साँसें ले रहा है। नक्सली बड़ी संख्या में आत्मसमर्पण कर रहे हैं।

उद्धव ठाकरे का बड़ा बयान

कांग्रेस अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र और हम भी

मुंबई। मुंबई में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों से पहले राजनीति का माहौल गर्म है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को साफ कहा कि कांग्रेस चाहे जिस तरह चुनाव लड़े, फैसला उनका है और ठीक उसी तरह उनकी पार्टी भी अपने फैसले खुद लेगी। कांग्रेस ने एक दिन पहले संकेत दिया था कि वह बीएमसी चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने की तैयारी में है। यह बयान तब आया है जब महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के अंदर एमएनएस को साथ लेने पर मतभेद उभर रहे हैं। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने राज ठाकरे की पार्टी को गठबंधन में शामिल करने पर ऐतराज जताया है, जबकि हाल के दिनों में उद्धव और राज ठाकरे की नजदीकियां चर्चा में हैं। वहीं उद्धव ठाकरे ने बिहार चुनावों के नतीजों पर भी सवाल खड़े किए।

गुजरात में नर्मदा नदी पर विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

भाजपा नेता जोशी का बड़ा दावा

कभी चीन पर था तिब्बत का शासन-मुरली मनोहर

नई दिल्ली। वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी ने शनिवार को कहा कि 14वें दलाई लामा की अहिंसा की शिक्षाओं के जरिए ही तिब्बत का पुनरुत्थान होगा। इसके साथ ही उन्होंने निर्वासित तिब्बती बौद्धों की भावनाओं की सराहना की। 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो की हिंदी में पहली अधिकृत जीवनी की किताब 'अनश्वर' के विमोचन पर भाजपा नेता ने ये बात कही। 14वें दलाई लामा की हिंदी में पहली अधिकृत जीवनी पत्रकार-लेखक अरविंद यादव ने ये किताब लिखी है। इस कार्यक्रम में मुरली मनोहर जोशी, पूर्व सांसद कर्ण सिंह और तिब्बत हाउस के निदेश गेशे दोरजी दामदुल मौजूद रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा, ''मैं तिब्बती बौद्धों और तिब्बती लोगों को नमन करता हूं कि उन्होंने अपने गुरु, उनके आदर्शों और उनके निर्देशों के लिए कितना कुछ सहा और स्वीकार किया है।

राजभवन-हथियार विवाद

बीजेपी का एजेंट बनकर काम कर रहे-सांसद कल्याण बनर्जी

कोलकाता। एजेंसी

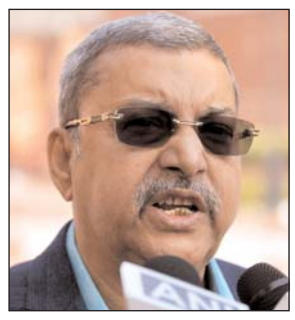

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता कल्याण बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के बयान पर पलवाटर किया है। उन्होंने कहा, मुद्दा बहुत स्प्ट है। आप केवल यह देख रहे हैं कि उन्होंने क्या कहा। उन्होंने कहा कि बंगाल में पूरी तरह कानून-व्यवस्था का अभाव है। उन्होंने कहा कि बंगाल में चुनाव बैलेट (मतपत्र) पर होने चाहिए, बुलेट (गोली) पर नहीं। ये राज्यपाल की ओर से इस्तेमाल किए गए उकसाने वाले शब्द हैं। क्या यह राज्यपाल का काम है? कल्याण बनर्जी ने आगे कहा, राज्यपाल को केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच सेतु का काम करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कई बार कहा है कि राज्यपाल को केंद्र सरकार का एजेंट नहीं बनना चाहिए। लेकिन वह भाजपा का एजेंट बनकर काम कर रहे हैं। अगर आप हम पर राजनीतिक रूप से हमला करते हैं, तो आपके पास उस तरह के हमले को सहन करने का भी साहस होना चाहिए। वह संविधान के कसाई हैं। जहां भी गैर-भाजपा शासित राज्य हैं, वहां हर राज्यपाल ऐसा कर रहा है। यह सज्जन तो हद कर गए हैं। टीएमसी सांसद ने शनिवार को आरोप लगाया था कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस भाजपा के अपराधियों को राजभवन में बुला रहे हैं। और उन्हें हथियार दे रहे हैं ताकि वे टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले कर सकें। उन्होंने कहा कि 'बंगाल के राज्यपाल को कह दें कि वे भाजपा के अपराधियों को राजभवन में बुलाना बंद करें। वह उन्हें वहां रख रहे हैं और उन्हें हथियार दे रहे हैं

अनियंत्रित होकर डैम में गिरी कार, तीन पुलिसकर्मियों की मौत

रांची। रांची में देर रात एक कार के अनियंत्रित होकर धुर्वा डैम में डूब जाने से तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने डैम में एक कार देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची।कार को बाहर निकाला गया तो उससे शव बरामद हुए। मृतकों में जमशेदपुर के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज के दो बॉडीगार्ड उपेंद्र कुमार सिंह और रॉबिन कुजूर शामिल हैं। तीसरा शव एक सरकारी चालक का है, जिसकी पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने घटनास्थल से दो हथियार भी बरामद किए हैं। कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। हादसा रात में कब हुआ, किसी को जानकारी नहीं है।

मुझे मारने के लिए चप्पल उठाई गई

किसी घर में रोहिणी जैसी बेटी बहन पैदा न हो-रोहिणी आचार्य

पटना/ एजेंसी

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी और सारण से चुनाव लड़ चुकीं रोहिणी आचार्य ने रविवार को एक्स पर एक और पोस्ट कर हलचल मचा दी है। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा, कल एक बेटी, एक बहन , एक शादीशुदा महिला, एक मां को जलील किया गया , गंदी गालियां दी गईं, मारने के लिए चप्पल उठाई गई। गौरतलब है कि रोहिणी ने शनिवार (16 नवंबर) को ही एलान किया था कि वे राजनीति और परिवार छोड़ रही हैं। अब उसी एलान को लेकर रोहिणी ने कहा, मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया, सच का समर्पण नहीं किया , सिर्फ और सिर्फ इस वजह से मुझे बेइज्जती झेलनी पड़ी। रोहिणी ने अपने पोस्ट में आगे कहा, कल एक बेटी मजबूरी में अपने रोते हुए मां-बाप, बहनों को छोड़ आई। मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया। मुझे अनाथ बना दिया गया। आप सब मेरे रास्ते कभी ना चलें , किसी घर में रोहिणी जैसी बेटी -बहन पैदा न हो। रोहिणी आचार्य ने एक और पोस्ट में कहा, कल मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी। करोड़ों रूपए लिए , टिकट लिया तब लगवाई गंदी किडनी। सभी बेटी-बहन, जो शादीशुदा हैं उनको मैं बोलूंगी कि जब आपके मायके में कोई बेटा-भाई हो, तो भूल कर भी अपने भगवान रूपी पिता को नहीं बचाएं। अपने भाई, उस घर के बेटे को ही बोले कि वो अपनी या अपने किसी हरियाणवी दोस्त की किडनी लगवा दे।

ब्लास्ट में हुआ 30-40 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट

कौन दफनाएगा डॉ. उमर के शव के टुकड़े? नहीं आया परिवार

नई दिल्ली/ एजेंसी

लाल किला के पास कार धमाके में डॉ. उमर नबी ने 30 से 40 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया था। अभी तक की जांच में यह लगभग यह बात साफहो चुकी है कि धमाके में अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल हुआ है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि विस्फोट को शक्तिशाली बनाने के लिए अमोनियम नाइट्रेट के अलावा कुछ दूसरे विस्फोटक पदार्थों का इस्तेमाल हुआ है। अमोनियम नाइट्रेट के साथ किन-किन केमिकल का इस्तेमाल हुआ, इसकी पड़ताल फ्लिहाल जारी है। यह भी बात भी लगभग साफहै कि विस्फोटक को कार की पिछली सीट पर रखा गया था। शुरुआती जांच इशारा कर रही है कि डॉ. उमर नबी ने विस्फोट के लिए कार के बोनट में कोई डेटोनेटर फिट किया। बाद में बैटरी से इसके कनेक्शन किए गए। सूत्रों का कहना है कि पूरी योजना के तहत डॉ. उमर ने सुनहरी बाग पार्किंग में कार खड़ी करने के बाद विस्फोटक को वहां तैयार किया। यह काम उमर ने अकेले किया या उसके साथ कोई और भी शामिल था। इसका पता लगाने के लिए जांच एजेंसियों ने उस पूरे एरिया का डंप डाटा पिक किया है। उसकी गहन पड़ताल की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक फरीदाबाद से विस्फोटक होने के बाद डॉ. उमर नबी आई-20 कार में सवार होकर निकल गया था। धमाके से पहले वह कहां-कहां गया और किससे मिला इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। जांच एजेंसियों ने दिल्ली-एनसीआर-हरियाणा के करीब 5000 सीसीटीवी कैमरों की मदद से उसके रूट को जोड़ा है। धमाके के बाद

जांच दलों ने करीब 500 से 600 मीटर के दायरे में आई-20 कार के टुकड़े बरामद किए हैं। उनकी फॉरेंसिक जांच कर इस बात का पता लगाया जा रहा है कि किस तरह के विस्फोटक से कार के इतने छोटे-छोटे टुकड़े हुए। जांच दल की टीमें लगातार दिल्ली, हरियाणा, जम्मू एवं कश्मीर और यूपी के अलग-अलग इलाकों में दबिश दे रही है। धमाके के बाद जांच दलों ने करीब 500 से 600 मीटर के दायरे में आई-20 कार के टुकड़े बरामद किए हैं। उनकी फॉरेंसिक जांच कर इस बात का पता लगाया जा रहा है।कि किस तरह के विस्फोटक से कार के इतने छोटे-छोटे टुकड़े हुए। जांच दल की टीमें लगातार दिल्ली, हरियाणा, जम्मू एवं कश्मीर और यूपी के अलग-अलग इलाकों में दबिश दे रही है। लाल किला के पास हुए धमाके की जांच के दौरान 9एमएम के तीन कारतूस बरामद हुए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि दो कारतूस हैं जबकि एक खोखा है। दरअसल कारतूस मिलने को इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि 9एमएम के कारतूस या तो सुरक्षा बल इस्तेमाल करते हैं या फिर पुलिसकर्मी इनका इस्तेमाल करते हैं। धमाके के बाद कारतूस मिलने के बाद आशंका व्यक्त की जा रही थी कि शायद जांच के दौरान किसी पुलिसकर्मी या सुरक्षा बल के यह कारतूस भूल से गिर गए होंगे। छानबीन में किसी ने भी कारतूस गिरने का कोई दावा नहीं किया है। ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि यह कारतूस घटना स्थल पर कैसे आए

डॉ. उमर नबी का शव लेने नहीं पहुंच रहा परिवार...

लाल किला के पास खुद को कार के साथ उड़ाने वाले फिदायन आतंकी डॉ. उमर नबी के शव के कई टुकड़े मोर्चरी में रखे हुए हैं। डीएनए से उसके शव की पहचान भी हो गई है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि उमर का शव लेने के लिए अभी किसी ने भी दावा नहीं किया है। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां उसके परिवार से लगातार पूछताछ कर रही हैं। सूत्रों का कहना है कि धमाके से उमर के शरीर के कुछ ही टुकड़े बच पाए थे। उनको एक गत्ते के कार्टन में मोर्चरी के फ्रिजर में हुआ है। माना जा रहा है कि घटना स्थल से करीब 150 मीटर गौरी शंकर मंदिर के पास शौचालय की छत से मिला एक हाथ भी उमर का हो सकता है। उसको भी शव के टुकड़ों के साथ रखा गया है।

कुण्डा बैंक में बड़ी चोरी नाकामः पुलिस की फुर्ती से तिजोरी उड़ाने आया चोर बैंक के अंदर ही पकड़ा गया

कवर्धा। जिले में पुलिस की रातभर चौकन्नी गश्त ने एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम होने से बचा लिया। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, शाखा कुण्डा में तिजोरी तोड़ने घुसे एक युवक को पुलिस ने बैंक के अंदर ही बंद अवस्था में पकड़ लिया। आरोपी की पूरी योजना मिनटों में धराशायी हो गई। रात्रि पेट्रोलिंग पर तैनात आरक्षक संजय मेरावी और आरक्षक जितेन्द्र जायसवाल जब बैंक के पास पहुंचे तो उन्होंने बैंक परिसर में असामान्य अंधेरा और बंद लाइटें देखीं। शक के आधार पर दोनों ने तुरंत सूचना थाना कुण्डा को दी। सूचना मिलते ही एसआई जयराम यादव सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इसी दौरान ग्रामीण भी एकत्र हुए और पता चला कि एक व्यक्ति चैनल गेट के ऊपर से कूदकर बैंक के अंदर घुस चुका है। पुलिस ने चारों तरफ घेराबंदी कर बैंक की स्थिति जांची तो सामने आया कि चोर मुख्य दरवाजे के ताले तोड़ चुका था, सीसीटीवी की दिशा मोड़ दी थी और भीतर से दरवाजा बंद कर रखा था। कुछ देर बाद जब पुलिस ने उसे बाहर निकलने पर मजबूर किया, तो आरोपी लवलेश निर्मलकर (उम्र 26 वर्ष), निवासी बीजाभाठा, बैंक से बाहर आते ही पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह तिजोरी में रखी नकदी चोरी करने की योजना बनाकर आया था। बैंक भीतर निरीक्षण में पता चला कि लॉकर रूम के तीन ताले वह पहले ही तोड़ चुका था। मौके से ग्राइंडर मशीन की टूटी पत्ती और औजारों से भरा बैग भी बरामद किया गया। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि रात्रिकालीन गश्त को लेकर सभी थाना प्रभारियों को पहले ही सख्त निर्देश दिए गए थे। टीम की सतर्कता और तत्परता ने बैंक की सुरक्षा व्यवस्था को बड़ा नुकसान होने से बचाया और आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। थाना कुण्डा में आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया है और उससे विस्तृत पूछताछ जारी है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपी अकेला था या किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा।

धान खरीदी के पहले दिन 59 खरीदी केंद्र में एक भी किसानों के नाम टोकन नहीं जारी हुआ, नवागढ़ केंद्र में पहले किसान ने कराया धान तौल

बेमेतरा। धान खरीदी के पहले दिन 59 खरीदी केंद्र में एक भी किसानों के नाम टोकन नहीं जारी हुआ, जबकि कुल 70धान खरीदी केंद्र में केवल 165 किसानों के नाम पर टोकन जारी हुआ है। शासन राज्य सरकार के द्वारा जिले के किसानों के धान को खरीदने को खरीदने के लिए 15 नवंबर से जिले के 129 धान खरीदी केंद्र में व्यवस्था किया गया है लेकिन धान खरीदी के पहले दिन मात्र 70 धान खरीदी केंद्रों में 165 टोकन ही किसानों के लिए जारी हुआ इस तरह कुल 165 किसानों के लिए ही धान खरीदी के लिए टोकन जारी हुआ है। जबकि बेमेतरा जिला में कुल 1 लाख 62907 किसानों का पंजीयन धान बचने के लिए हुआ है।

इन खरीदी केंद्र में नहीं हुआ किसानों के लिए टोकन

शासन द्वारा यद्यपि बेमेतरा जिले के 129 धान खरीदी केंद्रों को किसानों की धान खरीदी के लिए व्यवस्था किया गया है लेकिन पहले दिन 59 धान खरीदी केंद्र किसानों के लिए धान खरीदी के लिए टोकन जारी नहीं हो पाया है। जिन धान खरीदी केन्द्रों में किसानों के लिए टोकन जारी नहीं हो पाया उसमें मुख्य रूप से कुरुद ओड़िया ठेलका मोहरेगा मोहतरा सुरुहुली आनंद गांव कुसमी कुम्ही अछोली पाहंदा मासुल गोंदली बुंदेला मारो चक्रवाय भिभौरी सर्दी सिलघट खुरमूडा थानखमरिया बनराका दर्री चेचानमेट लुक पुटपूरा बदनारा भद्राली परस बोर्ड उमरिया मऊ वीजा तेंदुआ गोठवानी पदमसरा पदमी जेवर बीज बासनी किरतपुर नारायणपुर बोरतर रन बोर्ड प्रतापपुर जंगलपुर अन्य धान खरीदी केंद्र शामिल हैं। जिला बेमेतरा के विभिन्न धान खरीदी केंद्र में खरीदी कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। नवागढ़ धान खरीदी केंद्र पर पहुंचे किसान माखन रजक, निवासी सालहेघोरी ने 41.20 क्विंटल धान तौल कर खरीदी प्रक्रिया की शुरुआत की। खरीदी केंद्र में व्यवस्था, सुरक्षा तथा किसानों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम पहले से ही सुनिश्चित किए गए थे। किसानों के लिए सुचारू, पारदर्शी और समयबद्ध खरीदी सुनिश्चित करने प्रशासन एवं समिति द्वारा पूर्ण तत्परता के साथ कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में धान खरीदी केंद्र साजा में खरीदी कार्य का औपचारिक शुभारंभ किया गया, जिसमें विधायक साजा ईश्वर साहू की विशेष उपस्थिति रही। उनके द्वारा शुभकामनाएं देते हुए कृषक अशोक कक्कौजे के 150 क्विंटल धान की खरीदी कराई गई, जिससे केंद्र में खरीदी का वातावरण उत्साहपूर्ण रहा। इसी के साथ धान खरीदी केंद्र अक्लवारा (साजा) में भी जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में खरीदी कार्य की शुरुआत हुई। जनप्रतिनिधियों ने किसानों से संवाद करते हुए सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं और सुव्यवस्थित खरीदी व्यवस्था की जानकारी साझा की। किसानों की सुविधा, तुलाई की पारदर्शिता, सुरक्षित भंडारण व सुचारु प्रक्रिया हेतु दोनों केंद्रों में व्यवस्थाएं पूर्ण की गई हैं। जिला प्रशासन एवं समिति के कर्मचारियों द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक किसान को समयबद्ध व निर्बाध रूप से धान बेचने की सुविधा प्राप्त है। धान उपार्जन केंद्र गनिया (तिलई पार) में खरीदी प्रक्रिया का विधिवत शुभारंभ किया गया। केंद्र में पहुंचे कृषक सत्तू राम साहू, पिता रामकिशुन साहू द्वारा 43.20 क्विंटल धान की तुलाई कर खरीदी कार्य की शुरुआत कराई गई। शुभारंभ के दौरान किसानों में विशेष उत्साह देखा गया। इस अवसर पर नवागढ़ सोसायटी के अध्यक्ष हेमंत सोनकर भी उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों को शासन की नीतियों, खरीदी की पारदर्शी प्रक्रिया तथा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। केंद्र में तुलाई, भंडारण, टोकन व्यवस्था और किसानों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि प्रत्येक किसान को सहज, समयबद्ध और सुचारु रूप से धान बेचने की सुविधा मिल सके।

बिरसा मुंडा जयंती पर कवर्धा में जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन, प्रधानमंत्री से वर्चुअल संवाद

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा हुए शामिल

कवर्धा। धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती के अवसर पर पीजी कॉलेज डोम में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देशभर के जनजातीय समुदाय से वर्चुअल माध्यम से जुड़े और जनजातीय समाज के इतिहास, संस्कृति, शौर्य और राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित किया। जिला स्तरीय आयोजन में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने की। अतिथियों ने भगवान बिरसा मुण्डा के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल व प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया, जहां जनजातीय समाज की परंपराओं, आजीविका आधारित उत्पादों और शासकीय योजनाओं की उपलब्धियों को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया। इस दौरान जनजातीय समाज में उल्लेखनीय कार्य करने वाले नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं और महिलाओं को सम्मानित किया गया। उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी और किसानों को मसूर मिनी किट वितरित किए। कार्यक्रम में रेंगाखर, कवर्धा सहित विभिन्न स्थानों पर भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा स्थापना की घोषणा भी की गई।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी धान उपार्जन केंद्र कुसुमकसा में विधिवत रूप से शुभारंभ

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी धान उपार्जन केंद्र कुसुमकसा में विधिवत रूप से शुभारंभ कर दिया गया है। सांसद भोजराज नाग ने उपार्जन केंद्र कुसुमकसा पहुंचकर किसानों का फूलमाला व गमछा पहनाकर स्वागत किया। जिसके पश्चात छत्तीसगढ़ महतारी की विधिवत पूजा कर धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर दिव्या मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत सुनील चंद्रवंशी सहित अन्य संबंधित अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में जिले के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया

दल्लीराजहरा। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने संयुक्त जिला कार्यालय स्थित अपने कक्ष में अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता अंतर्गत वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में जिले के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। दल्लीराजहरा वेटलिफ्टिंग क्लब की कोच अनिता शिंदे ने बताया कि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग अंतर्गत अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन बेमेतरा में किया गया। इस आयोजन में दल्लीराजहरा स्थित एनसीजे महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें मोनिका ध्रुव, कृष नायक, मिनेश साहू, तुषार कुमार ने प्रथम स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि पर कलेक्टर मिश्रा ने उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष कृष्णा सिंह मौजूद थे।

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समर्थित यात्रा बेन्दरकटा में 19 को धर्मध्वज धम्म संवाद यात्रा

डोंगरगांव नगर। दि बोधिसत्व आंबेडकर फाउंडेशन द्वारा महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन के समर्थन में एक विशेष धर्मध्वज धम्म संवाद यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। करुणा बुद्ध विहार, बेंदरकट्टा, डोंगरगांव में 19 नवंबर, बुधवार को सुबह 10 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रसिद्ध धम्म प्रचारक भन्ते विनयचार्य करेंगे। आयोजकों ने बताया कि यह यात्रा बौद्ध धम्म और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम बनेगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महाबोधि महाविहार की स्वतंत्रता और बुद्ध वंचित समाज को जागरूक करना है। धम्म सभा में प्रमुख भिक्षु संघ, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न बौद्ध संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत धम्म देशना, भोजन दान तथा चिवर दान जैसे आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में भिक्षु संघ, मुख्य अतिथि समाजसेवी कमला ताई गवई, कार्यकारी अध्यक्ष भारतीय बौद्ध महासभा भीमराव अंबेडकर होंगी। आयोजन समिति में अध्यक्ष युगल किशोर सोनटके, राजेन्द्र रंगारी, उपाध्यक्ष मधुकर सोनटके, मुकेश ऊके, चंदमनी ऊके, सतीश सोनटके, रविंद्र रामटेक, सुशील भावे, महेश सोनटेके, पूर्वक सोनटेके, संतोष बोरकर, अनिल बोरकर, संतोष सोनटेके, प्रकाश ऊके, संघपाल रामटेके, भैयालाल सोनटेके, विजय रंगारी, शैलेंद्र सोनटेके सहित समाज के वरिष्ठ समाजसेवी भी शामिल होंगे।

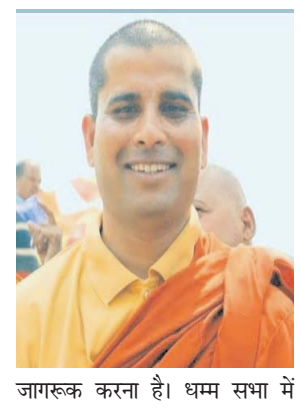

लगातार अनुपस्थित रहे सहायक लिपिक लल्लूराम वर्मा की सेवा समाप्त

बेमेतरा। लगातार अनुपस्थित रहे सहायक लिपिक लल्लूराम वर्मा की तत्काल सेवा समाप्त कर दिया गया है। धान खरीदी वर्ष 2025-26 के सुचारू संचालन तथा लोकहित के महत्वपूर्ण कार्यों में बाधा उत्पन्न होने के कारण सेवा सहकारी समिति मर्यादित कन्तेली (पंजीयन क्र. 390), जिला बेमेतरा में पदस्थ कर्मचारी पर दंडात्मक कार्रवाई की गई है। जारी आदेश के अनुसार लल्लूराम वर्मा, पदनाम सहायक लिपिक, 03 नवंबर 2025 से लगातार अनुपस्थित रहे, जबकि धान खरीदी के लिए उन्हें महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए थे। समिति द्वारा बार-बार निर्देशित किए जाने के बावजूद उन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन नहीं किया, जिससे धान खरीदी की तैयारी प्रभावित हुई। अधिकृत अधिकारी द्वारा उन्हें छत्तीसगढ़ आवश्यक सेवा संधारण एवं विविध कदाचार निवारण अधिनियम, 1979 (एस्मा एक्ट) के प्रावधानों के तहत कार्यालय में उपस्थित होकर कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया था। अनुपस्थिति को गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए उन्हें कार्यालय में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने हेतु कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। वर्मा द्वारा प्रस्तुत जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर समिति के अधिकृत अधिकारी द्वारा उनकी सेवा तत्काल प्रभाव से पदच्युत कर दी गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि धान उपार्जन, खाद-बीज वितरण, पीडीएस दुकानों के संचालन, तथा किसानों से जुड़े कार्यों में बाधा उत्पन्न होना व्यापक लोकहित के विपरीत है और इसे गंभीर दुराचरण की श्रेणी में माना गया।समिति द्वारा संबंधित अधिकारी एवं विभागों को आदेश की प्रतिलिपि प्रेषित कर दी गई है।

एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर बेमेतरा में विजय उत्सव, विधायक दीपेश साहू ने जताया आभार

बेमेतरा। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की ऐतिहासिक विजय के बाद पूरे देश में उत्साह का माहौल है। इसी क्रम में बेमेतरा के सिग्नल चौक में विधायक दीपेश साहू, भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी उत्साहपूर्ण तरीके से विजय उत्सव मनाया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर, फटाखे फोड़कर और आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया। पूरा क्षेत्र जय भाजपा और मोदी सरकार जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। मौके पर विधायक दीपेश साहू ने कहा कि बिहार की जनता ने विकास, स्थिरता और सुशासन को चुनकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में अपना विश्वास पुनः प्रकट किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को जनता द्वारा दिए गए समर्थन को देश की लोकतांत्रिक शक्ति और सकारात्मक चिंतन का प्रतीक बताया। विधायक साहू ने कहा कि यह विजय देश में समृद्धि और विकास के नए अध्याय की शुरुआत करेगी। विजय उत्सव में जिला पंचायत सदस्य अध्यक्ष प्रतिनिधि योगेश तिवारी, जिला पंचायत सदस्य मधु राय, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, रजक कार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, होरीलाल सिन्हा, युगल देवांगन, राजू देवांगन, पार्षद विकास तंबोली, गौरव साहू, चांदनी, रोशन दत्ता, सोसायटी अध्यक्ष दोहाई लाल वर्मा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सेवाराम साहू सहित भाजपा जिला पदाधिकारी, मोर्चा-प्रकोष्ठ के प्रमुख, युवा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

राजीव भवन में कांग्रेस का विशेष एसआईआर प्रशिक्षण खैरागढ़ से मनराखन देवांगन बने जिला प्रतिनिधि

खैरागढ़। प्रदेश कांग्रेस द्वारा राजधानी रायपुर स्थित राजीव भवन में आयोजित विशेष एसआईआर कार्यक्रम में खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले से मनराखन देवांगन ने जिला प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। यह प्रशिक्षण विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा के मार्गदर्शन और जिला कांग्रेस संगठन के निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने किया, जबकि प्रशिक्षण सत्रों का संचालन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निज सचिव विनोद वर्मा और नेता शैलेश नितिन त्रिवेदी ने किया। प्रशिक्षकों ने बूथ प्रबंधन, संगठन विस्तार, मतदाता संपर्क और कार्यकर्ता सशक्तिकरण जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। सत्र में यह स्पष्ट किया गया कि आगामी चुनावों में बीएलए की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। प्रत्येक बीएलए को बूथ-टू-बूथ और घर-घर संपर्क अभियान चलाकर कांग्रेस की नीतियों और योजनाओं को मतदाताओं तक पहुँचाने की जिम्मेदारी दी जाएगी। साथ ही एक घर-एक बीएलओ की अवधारणा पर कार्य करते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीति भी बताई गई। जिला प्रतिनिधि मनराखन देवांगन ने बताया कि जल्द ही जिले के सभी बीएलए के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, ताकि वे अपने-अपने बूथों पर अधिक प्रभावी ढंग से काम कर सकें। पूरे दिन चले इस प्रशिक्षण में प्रदेशभर से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और चुनावी तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्राप्त किए।

उप आयुक्त बेमेतरा अनुरंजन सिंह ने किया जिला सहकारी संघ मर्यादित का 72वें सहकारी सप्ताह का शुभारंभ

बेमेतरा। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत आज 72वें सहकारी सप्ताह का शुभारंभ सहकारी झंडा फहराकर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुरंजन सिंह उप आयुक्त/उप पंजीयक सहकारी संस्थाए बेमेतरा ने किया। प्रतिवर्षानुसार सहकारी सप्ताह पूरे भारत मे 14 नवम्बर से 20 नवंबर को भव्य रूप से अलग अलग स्थानों में मनाया जाता है प्रत्येक वर्ष में मुख्य थीम और साप्ताहिक विषय भिन्न-भिन्न रहते हैं,

जहां इस वर्ष राष्ट्रीय सहकारी संघ नई दिल्ली द्वारा आत्मनिर्भर भारत के लिए वाहन के रूप में सहकारी समितियां का मुख्य थीम दिया गया है, जिसके अंतर्गत परिचालन, दक्षता जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना विषय पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य तिथि सिंह द्वारा सभी को उपस्थित लोगों को 72वें सहकारी सप्ताह के शुभारंभ की बधाई दी और सप्ताह भर चलने वाले सहकारी सप्ताह में बढ़-चढ़कर अपनी उपस्थिति के साथ-साथ सहकारी क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी जोड़ने का आग्रह किया और बताया कि यह सहकारी सप्ताह न केवल ब्लॉक स्तर जिला स्तरों में न होकर पूरे भारत में इसे मनाया जाता है बड़े धूमधाम से अध्यक्षता कर रहे जिला सहकारी संघ के प्राधिकृत अधिकारी विनय कुमार जेहोआश ने कहा की जब से संघ का गठन हुआ है बेमेतरा जिला में निरंतर राष्ट्रीय सहकारी संघ और राज्य सहकारी संघ से प्राप्त निर्देशानुसार हम जिला के प्रत्येक भिन्न-भिन्न समितियो में सहकारी सप्ताह का आयोजन 14 नवंबर से 20 नवंबर के मध्य करते आ रहे हैं। उपस्थित सहकारी जनों को बताया की आने वाले समय में हम सहकारी क्षेत्र से लोग कैसे मजबूत और आत्मनिर्भर हो सकते हैं की जानकारी उनके पास पहुँच कर प्रदान करेंगे और आत्मनिर्भर भारत के लिए कैसे सहकारी समितियां वाहन के रूप में करती आ रही है जो कि हमारा सहकारी सप्ताह का मुख्य थीम है पर प्रकाश डाला। जिला सहकारी संघ बेमेतरा के प्रभारी प्रबंधक सृजन दीवान ने सहकारी क्षेत्रो के डिजिटलीकरण से कैसे परिचालन में दक्षता और पारदर्शिता आएगा पर जानकारी उपस्थित लोगों को दिया और सहकारी क्षेत्रो की मजबूती के लिए उपस्थित लोगों से साथ मांगा। कहा कि आपकी उपस्थिति से ही हमे बल मिलता है। अंत मे आभार करते हुए कहा उपस्थित आप सभी अधिकारियों और सहकारी जनों का धन्यवाद कहा और आने वाले समस्त दिवस के आयोजन में भी सम्मिलित होने की बात रखी। उक्त 72वें सहकारी सप्ताह के शुभारंभ पर उप आयुक्त उप पंजीयक बेमेतरा ए के सिंह सहकारिता विस्तार अधिकारी साजा, प्राधिकृत अधिकारी विनय कुमार जेहोआश, बेमेतरा सहकारिता विस्तार अधिकारी संदीप वर्मा, प्रभारी प्रबंधक सृजन धर दीवान, विनोद बिनकर, विनोद साहू, राजेश कुमार सिंह, हरीश साहू, दीपक देवांगन, नितेश विश्वकर्मा, नरेश गहिरे सहित अन्य सहकारी जन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

धर्मांतरण को लेकर हंगामा, एसईसीएल के ड्राइवर सहित तीन गिरफ्तार

रायपुर। जिले में एक बार फिर धर्मांतरण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। 12 नवंबर को धर्मांतरण के दो अलग-अलग मामले सामने आए, जिन पर हिंदूवादी संगठनों ने जोरदार विरोध दर्ज कराया। आरोप है कि एसईसीएल में कार्यरत एक ड्राइवर लोगों को हिंदू धर्म छोड़ने के लिए उकसा रहा था। पुलिस ने इस मामले में ड्राइवर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पहला मामला सरकंडा थाना क्षेत्र के वसंत विहार कॉलोनी का है। बताया जा रहा है कि यहां एसईसीएल के ड्राइवर राजेंद्र खरे के घर में प्रार्थना सभा चल रही थी, जहां कुछ महिलाएं, पुरुष और बच्चे मौजूद थे। हिंदूवादी संगठनों का आरोप है कि सभा में हिंदू देवी-देवताओं के प्रति आपत्तिजनक बातें कही जा रही थीं और लोगों का मानसिक रूप से धर्म परिवर्तन के लिए ब्रेनवॉश किया जा रहा था। जानकारी मिलते ही संगठन के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने वहां से कई लोगों को पूछताछ के लिए थाने लाया। दूसरा मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र के कुकुर्दीखुर्द गांव का है। यहां भी एक मकान में प्रार्थना सभा के दौरान हिंदू महिलाओं और बच्चों को धर्मांतरण के लिए बरगलाने का आरोप लगा है। दोनों घटनाओं में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और मामले की जांच जारी है।

मूक-बधिर नातिन से दुष्कर्म करने वाले नाना को आजीवन कारावास

रायपुर। फास्ट ट्रैक कोर्ट मुंगेली ने एक बेहद संवेदनशील दुष्कर्म प्रकरण में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार सोम की अदालत ने 62 वर्षीय मोहन जोशी को अपनी ही मूक-बधिर नातिन के साथ दुष्कर्म का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने आरोपी पर 2 हजार रुपये का अर्थदंड और पीड़िता के पुनर्वास हेतु 5 लाख रुपये क्षतिपूर्ति की अनुशंसा भी की है। यह मामला थाना फास्टरपुर क्षेत्र का है, जिसने फरवरी 2024 में पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया था। सत्र प्रकरण क्रमांक 23/2024 एवं दांडिक प्रकरण क्रमांक 1264/2024 राज्य बनाम मोहन जोशी में आरोपी मोहन जोशी, पीड़िता का रिश्ते का नाना निकला। 21 फरवरी 2024 की दोपहर लगभग 12 बजे जब पीड़िता घर में अकेली थी, तभी आरोपी मोहन जोशी मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा और पानी मांगने के बहाने घर में घुस गया। जैसे ही पीड़िता पानी लाने अंदर गई, उसने दरवाजा अंदर से बंद कर जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता जन्म से ही श्रवण एवं वाक् दिव्यांग है। पति के लौटने पर उसने इशारों के माध्यम से पूरी घटना बताई, जिसके बाद तुरंत थाना फास्टरपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जांच के दौरान पुलिस ने मूक-बधिर विशेषज्ञ की मदद से पीड़िता का बयान दर्ज किया और फोटो पहचान कराई, जिसमें उसने आरोपी की स्पष्ट पहचान की। अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक रजनीकांत सिंह ठाकुर ने अदालत में पीड़िता के बयान, मेडिकल रिपोर्ट और भौतिक साक्ष्य प्रस्तुत किए। अदालत ने सभी साक्ष्यों को विश्वसनीय मानते हुए आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(ठ) एवं अन्य धाराओं में दोषसिद्ध पाया। निर्णय सुनाते हुए न्यायाधीश सोम ने कहा कि ऐसे अपराध समाज की नैतिक जड़ों को हिला देते हैं, विशेषकर तब जब अपराधी पीड़िता का ही रिश्तेदार हो। उन्होंने कहा, कानून के सामने न रिश्ता मायने रखता है, न उम्र और न ही पद — न्याय केवल अपराध के आधार पर होता है। यह फैसला न केवल पीड़िता को न्याय दिलाने वाला है, बल्कि समाज के लिए भी एक सख्त संदेश है कि रिश्तों की आड़ में अपराध करने वालों के लिए कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। अदालत ने शासन को निर्देश दिया है कि पीड़िता को शीघ्र 5 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति राशि उपलब्ध कराई जाए, जिससे उसके पुनर्वास और उपचार में सहायता मिल सके।

धान खरीदी में सुगमता हेतु 'तुहर टोकन मोबाइल एप' प्रारंभ

रायपुर। किसानों को धान विक्रय हेतु सुगम एवं बेहतर व्यवस्था प्रदाय किये जाने हेतु खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 'तुहर टोकन मोबाइल एप' प्रारंभ किया गया है। इस एप के माध्यम से किसानों को घर बैठे धान विक्रय हेतु टोकन की व्यवस्था उपलब्ध होगी, जिससे समितियों में लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी। यह मोबाइल ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इस ऐप में किसानों को सर्वप्रथम आधार आधारित ओटीपी के माध्यम से पंजीयन करना होगा। किसान प्रतिदिन सुबह 8.00 बजे से इस ऐप के माध्यम से टोकन हेतु आवेदन कर सकेंगे। खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने जानकारी दी कि धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुविधा को ध्यान में रखते हुए, सीमांत कृषक (2 एकड़ या 2 एकड़ से कम भूमि) को अधिकतम 1 टोकन, लघु कृषक (2 से 10 एकड़ तक) को अधिकतम 2 टोकन तथा दीर्घ कृषक (10 एकड़ से अधिक) को अधिकतम 3 टोकन प्रदान किये जायेंगे। नया टोकन बनाने हेतु समय-सीमा रविवार से शुक्रवार तक (प्रात: 8.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक) निर्धारित की गई है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ सिंचाई परियोजना मंडल की 33वीं बैठक संपन्न

प्रदेश में 14 नई सिंचाई परियोजनाओं को मिली सैद्धांतिक सहमति-सीएम...

■ प्रदेश की सिंचाई क्षमता बढ़ाने, भूजल स्तर सुधारने और शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने पर हुई व्यापक चर्चा

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ सिंचाई परियोजना मंडल की 33वीं तथा वर्तमान सरकार के कार्यकाल की पहली बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश की सिंचाई क्षमता बढ़ाने, भूजल स्तर सुधारने और शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने पर विस्तृत विमर्श किया गया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों के लिए 14 नई परियोजनाओं को सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि और कृषि उत्पादन बढ़ाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सिंचाई नेटवर्क का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सिंचाई रकबा बढ़ने से न केवल किसानों को लाभ मिलेगा बल्कि भूजल स्तर में सुधार होगा और पेयजल आपूर्ति को बेहतर ढंग से सुनिश्चित किया जा सकेगा। बैठक में सरगुजा, बस्तर सहित मैदानी इलाकों तक सिंचाई सुविधाओं के विस्तार पर व्यापक चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने सभी परियोजनाओं की रूपरेखा, लागत और उनके लाभों की विस्तृत जानकारी ली और कहा कि प्रदेशभर में संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए इन परियोजनाओं को गति प्रदान की जाएगी। गौरतलब है कि इन परियोजनाओं के माध्यम प्रदेश में लगभग 01 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी। इन परियोजनाओं में बस्तर जिले के अंतर्गत देउरगांव बैराज सह उदवहन सिंचाई परियोजना, बस्तर जिले के अंतर्गत मटनार बैराज सह उद्धवहन सिंचाई परियोजना, रायपुर जिले के विकासखण्ड आरंग में महानदी पर मोहमेला सिरपुर बैराज योजना, अहिरन से गाजरीनाला जल संवर्धन निर्माण (खारंग अहिरन लिंक परियोजना) कार्य, बिलासपुर जिले के कोटा विकासखण्ड अंतर्गत छपराटोला फीडर जलाशय परियोजना, कुम्हारी जलाशय जल क्षमता वृद्धि (जलावर्धन) योजना के अंतर्गत समोदा बैराज से कुम्हारी जलाशय तक पाईप लाईन बिछाने का कार्य, दुर्ग जिले के विकासखण्ड धमधा के सहगांव उद्धवहन सिंचाई योजना, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में लमती फीडर जलाशय एवं नहरों का निर्माण कार्य, राजनांदगांव जिले में स्थित मोहारा एनीकट में पेय जल हेतु चौकी एनीकट से मोहारा एनीकट तक पाईप लाईन के माध्यम से जल प्रदाय योजना, जशपुर जिले के मैनी नदी में बगिया बैराज सह दाबयुक्त उद्धवहन सिंचाई योजना की स्वीकृति, जांजगीर-चांपा जिले के हसदेव बांगों परियोजना अंतर्गत वृहद परियोजना आॅगमेण्टेशन के अंतर्गत परसाही दाबयुक्त उद्धवहन सिंचाई परियोजना, कोरबा जिले के अंतर्गत मड़वारानी बैराज निर्माण सह उदवहन सिंचाई योजना, गरियाबंद जिले के पैरी परियोजना के अंतर्गत सिकासार जलाशय से कोडार जलाशय लिंक नहर (पाईप लाईन) योजना तथा बिलासपुर जिले के खारंग जलाशय योजना के बाएं तट नहर के आर्वधन हेतु पाराघाट व्यपवर्तन योजना से उद्धवहन फीडर सिंचाई का निर्माण कार्य शामिल किया गया है।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विवि के नये कुलपति की खोज शुरू

■ देश के प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान एवं जनसंचार माध्यमों से मंगाए गये आवेदन

■ निर्धारित अर्हता बदलने से कई प्रतिष्ठित पत्रकारों के आवेदन होंगे रद्द

रायपुर। संवाददाता

राज्यपाल एवं कुलाधिपति राजभवन सचिवालय द्वारा कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विवि के कुलपति के लिए आवेदन पत्र मंगाए गये हैं। कुलपति के चयन के लिए नये मापदंड तय किये गये है इसके अनुसार ही कुलपति का चयन होगा। देश के विभिन्न मीडिया संस्थानों एवं पत्रकारिता विवि के प्राध्यापकों के द्वारा उच्च राजनीतिक पहुंच लगाए जाने की चर्चा है। जिसके चलते चयन में राजनीतिक दांवपेंच शुरू हो गया है। राजभवन सचिवालय के सचिव द्वारा जारी निर्देशानुसार कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विवि के कुलपति के रिक्त पद के लिए आवेदन बुलाये गये है। उच्च शिक्षा विभाग के मापदंड के अनुसार यहां पर कुलपति का चयन किया जाएगा। निर्धारित अर्हता के अनुसार कुलपति पद के लिए देश के प्रख्यात मीडिया संस्थानों और जनसंचार महाविद्यालयों में अथवा संस्थाओं में काम करने का अनुभव होना चाहिए। यहां पर विवि के कुलपति के चयन को लेकर हमेशा विवाद होता रहा है बदलते सत्ता के साथ ही वैचारिक विवाद को देखते हुए विवाद पैदा हो जाता है। पिछले समय भी भाई बल्देव शर्मा को कुलपति बनाए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। जिसको लेकर राज्य शासन और राज्यपाल आमने सामने हो गये थे। जनसंचार विवि रायपुर के लिए कुलपति पद के लिए निर्धारित आयु तय कर दी गई है इसमें उम्र सीमा 70 वर्ष तय की गई थी। इससे अधिक उम्र वाले आवेदन नहीं कर सकते।

नवा रायपुर से चीन तक छत्तीसगढ़ में खुला लॉजिस्टिक्स का वैश्विक द्वार....

■ भारत के हृदय से विश्व बाजार तक छत्तीसगढ़ बन रहा है लॉजिस्टिक्स क्रांति का नेतृत्वकर्ता

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के तीव्र गति से विकसित होते लॉजिस्टिक्स सेक्टर में आज एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित हुआ है। छत्तीसगढ़ से अब तक का सबसे बड़ा, कुल 12,000 मीट्रिक टन कॉपर कॉन्सन्ट्रेट निर्यात कंसाइनमेंट, नवा रायपुर स्थित मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क से चीन के लिए रवाना किया गया। इस श्रृंखला की पहली खेप 2,200 मीट्रिक टन की रही, जो 11 नवम्बर को विशाखापट्टनम पोर्ट के लिए भेजी गई, जहाँ से इसे आगे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजा जाएगा। उद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विकसित यह अत्याधुनिक मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, मध्य भारत के औद्योगिक और व्यापारिक विकास का नया द्वार बन रहा है। अत्याधुनिक कार्गो हैंडलिंग सिस्टम, रेल कनेक्टिविटी, और मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन से सुसज्जित यह सुविधा राज्य एवं देश के अन्य हिस्सों की औद्योगिक इकाइयों को वैश्विक बाजारों तक कुशल, सुरक्षित और तीव्र पहुँच प्रदान कर रही है।यह उपलब्धि दर्शाती है कि छत्तीसगढ़ अब खनिज और उद्योग आधारित अर्थव्यवस्था से लॉजिस्टिक्स और निर्यात केंद्रित अर्थव्यवस्था की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है। विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, कुशल कनेक्टिविटी और सक्रिय शासन के समन्वय ने छत्तीसगढ़ को मध्य भारत का लॉजिस्टिक्स पावरहाउस बना दिया है। इस निर्यात अभियान के साथ छत्तीसगढ़ ने अपने खनिज और औद्योगिक उत्पादन को अंतरराष्ट्रीय व्यापार गलियारों से जोड़ने की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाया है।

दूरस्थ अंचल तक पहुँचा अन्न का अधिकार कदमझरिया में चलित वाहन से अब होगा घर-घर राशन वितरण

निवेश के लिए छत्तीसगढ़ बना आकर्षण का केंद्र

विष्णुदेव साय के नेतृत्व में निवेश के सारे रिकॉर्ड टूट रहे-अमित चिमनानी

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सीए अमित चिमनानी ने अहमदाबाद इन्वेस्टर कनेक्ट में छत्तीसगढ़ को 33,321 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव और 15 हजार रोजगार मिलने को छत्तीसगढ़ के औद्योगिक क्षेत्र के लिए स्वर्णिम उपलब्धि बताते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की सुविचारित और सुस्पष्ट उद्योग नीति ने छत्तीसगढ़ को निवेशकों के लिए सम्भावनाओं का एक व्यापक धरातल प्रदान किया है। चिमनानी ने कहा कि प्रदेश में नक्सलियों के

खात्मे के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र में विकास की रफ्तार ने तेज गति पकड़ी है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता चिमनानी ने बुधवार को यहाँ एकात्म परिसर में प्रेस ब्रीफ में पत्रकारो से चर्चा करते हुए कहा कि अहमदाबाद इन्वेस्टर कनेक्ट में निवेश के ये प्रस्ताव अनेक सेक्टर्स के लिए मिलना यह दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ अब चहुँमुखी विकास की दिशा में बढ़ने जा रहा है। थर्मल पावर, ग्रीन स्टील, फार्मा, मेडिकल फूड सप्लीमेंट, सोलर सेल और सेमिकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में निवेश होगा। इससे स्थानीय स्तर पर लगभग 15 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। निवेश की इच्छा जताने वालों में वाडीलाल ग्रुप भी है। एक ओर जहाँ छत्तीसगढ़ में निवेश के ये प्रस्ताव मिल रहे थे और दूसरी ओर डीपीआईआईटी की रैंकिंग में टॉप अचीवर का अवार्ड मिलना भी छत्तीसगढ़ की बहुत बड़ी उपलब्धि है। श्री चिमनानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में निवेश और अवार्ड कभी सपना था।

शिक्षकों के चयन के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा एक फरवरी 2026 को

रायपुर। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर शिक्षक पात्रता टीएटी छत्तीसगढ़ में राज्य शैक्षिक और प्रशिक्षण संस्थान द्वारा एक फरवरी 2026 को आयोजित की जाएगी। उक्त परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद शिक्षकों को नियमित किया जाएगा। प्रदेश के विभिन्न शिक्षा संगठनों से इस परीक्षा का विरोध किया था, लेकिन न्यायालयीन आदेश के चलते यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। विभिन्न शिक्षा संगठनों का कहना है कि इस परीक्षा में यदि उत्तीर्ण नहीं हुए कई शिक्षक बेरोजगार हो जाएंगे। एक अनुमान के अनुसार हजारों शिक्षक बेरोजगार होने की चर्चा है। विभिन्न राज्यों में भी इस परीक्षा का विरोध किया जा रहा है। अलग-अलग राज्यों द्वारा इसके लिए शर्तें तैयार की गई है, ताकि शिक्षकों के भविष्य से कोई खिलवाड़ न हो सके। संयुक्त संचालक के कुमार द्वारा सूचना के अनुसार शिक्षक पात्रता परीक्षा व्यवसायिक परीक्षा मंडल के माध्यम से 01.02.2026 को आयोजित की जाएगी। इसमें विभिन्न विषयों के बारे में शिक्षकों से जानकारी ली जाएगी। ज्ञात रहे न्यायालयीन आदेश के चलते क ई शिक्षक बेरोजगार हो गए थे।

बस्तर में हो रहा नीली क्रांति का आगाज हुआ

■ राज्य निर्माण से अब तक मत्स्य उत्पादन में हुई 08 गुना वृद्धि

■ जिले के 10 हजार से ज्यादा मत्स्यपालक एवं किसान हुए लाभान्वित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में पिछले 25 वर्षों में मछलीपालन ने जो करिश्मा दिखाया है, वह किसी क्रांति से कम नहीं है। राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों और प्रोत्साहन योजनाओं की सहायता से यहां मछली उत्पादन लगभग आठ गुना बढ़ गया है। जहां कभी सालाना उत्पादन महज 574 मीट्रिक टन था, वहीं आज 16 हजार मीट्रिक टन से अधिक उत्पादन हो रहा है। इसी तरह मत्स्य बीज उत्पादन भी 149 लाख फिंगरलिंग्स से बढ़कर 728 लाख से ज्यादा हो गया है। इस वृद्धि को और भी बल देने के लिए शासन द्वारा मछली पालन को कृषि का दर्जा प्रदान किया गया है। इसके बाद मत्स्यपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी मिल रही है। जिसमें एक लाख रुपये तक का ऋण बिना ब्याज के और तीन लाख रुपए तक महज एक प्रतिशत ब्याज पर सहजता से ऋण उपलब्ध है। पहले यह सुविधा सीमित और महंगी थी। जलकर और बिजली बिल में छूट ने भी मछलीपालकों एवं किसानों का हौसला बढ़ाया है।

पेसा लागू ग्रामों में नियमों के प्रति जागरूकता हेतु चलाया जाएगा अभियान

पेसा ग्रामों की सीमाओं का पारम्परिक तरीके से हो निर्धारण

■ पेसा अधिनियम के नियमों को अधिक प्रभावी बनाने उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सभी विभागों से समन्वय हेतु ली बैठक

रायपुर/संवाददाता

पेसा अधिनियम 1996, वन संसाधन अधिकार अधिनियम 2006 एवं सामुदायिक वन प्रबंधन में समन्वयन द्वारा पेशा अधिनियम को और अधिक प्रभावी बनाकर लागू करने हेतु उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में महानदी भवन में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रतिनिधि एवं सामाजिक संस्थाओं के विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे। जहां वर्ष 2022 में पेसा अधिनियम के तहत बनाये गए नियमों की समीक्षा की गई। जिसमें अधिनियम को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी नियमों पर एक एक कर चर्चा की गई एवं इसको लागू करने के लिए तरीकों पर भी बात की गई। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम सीमा के निर्धारण एवं ग्राम पंचायतों में निहित छोटे ग्रामों को वित्तीय अधिकार से सम्पन्न करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने पेसा ग्रामों के तहत निर्धारित मापदण्डों में ग्रामों की पारम्परिक सीमा को शामिल करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह ग्राम पंचायतों का अधिकार है कि वे आपसी सामंजस्य से अपने रूढ़िगत सीमाओं का सीमांकन करें।उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने पेशा ग्रामों में नियमों के संबंध में लोगों को जागरूक

करने के लिए अभियान चलाने को कहा। इसके साथ ही नियद नेल्ला नार ग्रामों एवं पेसा विकासखंडों में 5-5 ग्रामों का चयन कर विशेष जागरूकता अभियान चला कर ग्रामीणों को उनके विशेषाधिकारों से अवगत कराने एवं किसी भी प्रकार के अफवाह से बचाने के निर्देश दिए। उन्होंने समाजशास्त्र से जुड़े विश्वविद्यालयों के छात्रों की सहायता से पेसा ग्रामों का सर्वे कराकर गांव की पद्धतियों, रूढ़ियों, परम्पराओं का डॉक्यूमेंटेशन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व ग्राम पंचायतों के भीतर ग्राम सभा की समिति के अनुमोदन से ग्रामों के निर्माण करने के निर्देश दिए। जिसके तहत उन्होंने अधिनियम के अंतर्गत बने ग्रामों को और अधिक अधिकार सम्पन्न बनाने हेतु उन्हें वित्तीय अधिकार प्रदान करने एवं आहरण के अधिकार स्थानीय समिति को प्रदान करने को कहा। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने पेसा ग्रामों में पंचायत निधि एवं ग्राम सभा कोष के प्रयोग के लिए नियम निर्माण करने को कहा जिससे पेसा ग्राम के अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधि पंचायत निधि एवं ग्राम सभा कोष का समुचित प्रयोग कर सकेंगे। पेसा ग्राम का अलग कार्यालय, खाता, कोष एवं लेटर हेड प्रदान किया जाएगा। पंचायत के संसाधनों के उपभोग, लघु वनोपजों के संग्रहण, प्रसंस्करण, विपणन एवं उनके समुचित प्रबंधन को लेकर अधिकार भी ग्राम को प्रदान किये जायेंगे। हर पेसा ग्राम में वार्षिक रूप से विक्रय किये गए भूखंडों का विश्लेषण भी किया जाएगा, जिससे ग्राम के कार्यों में पारदर्शिता आएगी। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने वनाधिकार अधिनियम एवं पेसा अधिनियम में बनाये गए नियमों में विसंगतियों के कारण आ रही समस्याओं के समाधान के लिए नियमों में बदलाव करते हुए पेसा ग्रामों को अधिक सशक्त बनाने को कहा। उन्होंने पंचायतों के निर्णय का डिजिटल रिकॉर्ड मेंटेन करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा निर्मित 'निर्णय ऐप' एवं 'सभागार ऐप' का प्रयोग आवश्यक करने के निर्देश दिए। पेसा के तहत विभिन्न विभागों के एक ही विषय पर बने अलग अलग नियमों के अभिशरण कर लोगों में शंका की स्थिति को समाप्त करने को कहा।

संपादकीय

आतंकी साजिशों का साया

देश की सुरक्षा व्यवस्था को गहरी चेतावनी देने वाले दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट ने यूपी के कई चिराग बुझा दिए। यह मात्र आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि यह संकेत है कि भारत में आतंकवाद की जड़ें पुनः पनपने लगी हैं। पिछले कुछ महीनों में गुजरात, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से आतंकियों की गिरफ्तारियों तथा संदिग्ध गतिविधियों के जो सिलसिले सामने आए हैं, वे बताते हैं कि देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर खतरा बढ़ता जा रहा है।

शुरुआती जांच में मिली सामग्री, रासायनिक अवशेष और विस्फोटक तत्व यह संदेह मजबूत करते हैं कि देश में भारी मात्रा में आतंकी हरबे हथियार पहुंच चुके हैं। इसका मतलब है कि आतंकी संगठन देश के भीतर फिर से अपने नेटवर्क को सक्रिय करने में सफल हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश, विशेषकर उसके पश्चिमी और मध्य क्षेत्र, लंबे समय से आतंकी संगठनों के पसंदीदा हैं। राज्य की जनसंख्या, धार्मिक और राजनीतिक संवेदनशीलता तथा दिल्ली से निकटता इसे आतंकियों के लिए आसान टारगेट बनाती है।

खुफिया सूत्र बताते हैं कि कुछ शहर जैसे लखनऊ, मेरठ, वाराणसी और कानपुर आतंकी मॉड्यूल्स के निशाने पर हैं। गुजरात एटीएस द्वारा हाल ही में पकड़े गए आतंकियों और फरीदाबाद मॉड्यूल से मिले सुराग भी इस आशंका को बल देते हैं कि देशभर में विभिन्न छोटे-छोटे मॉड्यूल किसी साझा उद्देश्य के तहत काम कर रहे हैं। इस बात पर सरकारी एजेंसियों को गहरा शक है कि दिल्ली विस्फोट फिदायीन हमला हो सकता है या संभव है कि शृंखलाबद्ध आतंकी साजिश का हिस्सा। इस पर भी संदेह है कि कार्रवाई के डर से विस्फोटक की जगह बदलते समय दुर्घटनावश यह विस्फोट हुआ हो। फिदायीन हमले की आशंका, जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों पर संदेह और विदेशी खुफिया एजेंसियों की भूमिका के संकेतों के बावजूद, सरकार और पुलिस द्वारा इस विस्फोट को 'आतंकी हमला' घोषित करने में झिझक यह दर्शाती है कि जांच एजेंसियां अभी निर्णायक सबूतों की प्रतीक्षा में हैं। परंतु यह भी सच है कि किसी भी देरी से आतंकी नेटवर्क को अपने निशान मिटाने का मौका मिल जाता है।

आतंकवाद केवल पारंपरिक हथियारों या विस्फोटकों तक सीमित नहीं रहा, रासायनिक तत्वों, साइबर हैकिंग और फर्जी डिजिटल पहचान के माध्यम से आतंकी अपनी उपस्थिति छिपा रहे हैं।

संसद में हाल ही में पेश किए गए दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक 2025 ने एक समर्पित नगरीय शोधन क्षमता अधिनियम पर नीतिगत चर्चाओं को गति दी है- यह संकेत देते हुए कि भारत आखिरकार अपने सबसे स्पष्ट शहरी वित्तीय नियामक अंतराल को दूर कर सकता है. भारत के शहर विविध स्रोतों—हुडको, एलआईसी, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों, विशिष्ट अवसंरचना वित्त कंपनियों और राज्य वित्तीय मध्यस्थ निधियों—से उधार लेते हैं. कुछ शहरों ने नगरपालिका बॉन्ड के माध्यम से पूंजी बाजार में प्रवेश किया है. आरबीआई की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय संस्थानों से उधारी कुल नगरपालिका प्राप्तियों का लगभग 5 प्रतिशत है, जिसमें हुडको के ऋण- राज्य सरकार की गारंटी द्वारा समर्थित -वाणिज्यिक ऋण के 80 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं. हालांकि नगरपालिका बॉन्ड कुल ऋण में केवल एक छोटा सा अंश योगदान करते हैं।

शहरों के लिए दिवालियापन कानून: भारत का अधूरा सुधार

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय

उनका हालिया पुनरुत्थान उल्लेखनीय है. 2017 और 2023 के बीच, अब तक के सभी बॉन्ड आय का 40 प्रतिशत हिस्सा जुटाया गया था, जो सेबी के नए नियमों द्वारा संचालित था, जो स्पष्ट पात्रता मानदंड निर्धारित करते हैं: सकारात्मक शुद्ध मूल्य, शुद्ध ऋण चुकता रिकॉर्ड और निवेश-ग्रेड क्रेडिट रेटिंग (बीबीबी- या उससे ऊपर). अप्रैल 2019 से, विदेशी निवेशक इस बाजार में भाग ले सकते हैं, हालांकि राज्य विकास ऋण पर मामूली 2 प्रतिशत की सीमा के साथ. शहरी बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण में नगरपालिका राजस्व की निरंतर कमी को देखते हुए, नवीन वित्तपोषण साधनों की यह खोज महत्वपूर्ण महत्व रखती है. जैसे-जैसे भारतीय शहर बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण के लिए पूंजी बाजारों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं, एक चिंताजनक प्रश्न उठता है: क्या होगा जब वे ऋण चुकाने में असमर्थ होंगे? कानूनी अस्पष्टता और वास्तविक परिणाम राज्य नगरपालिका अधिनियम, प्राधिकरण, उद्देश्य, सीमा, अवधि और पुनर्भुगतान तंत्र सहित उधार लेने की शक्तियों का निर्धारण करते हैं. भारत में नगरपालिका बॉन्ड सामान्य दायित्व बॉन्ड के समान होते हैं, जिनमें ऋण सेवा संपत्ति कर जैसे विशिष्ट कर स्रोतों या उपयोगकर्ता शुल्क और फीस जैसे परियोजना राजस्व से जुड़े एस्क्रो खातों के माध्यम से सुरक्षित होती है. कुछ राज्यों में अन्य राजस्व को रोकने (जैसे, मध्य प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1956, बिहार नगरपालिका अधिनियम की धारा 122 सभी शहरी स्थानीय निकायों पर लागू) या यहां तक कि तरलता सुनिश्चित करने के लिए नगरपालिका संपत्ति को गिरवी रखने (जैसे, नागपुर नगर निगम) के प्रावधान हैं. हालांकि, ये पूर्व उधार नियम मुख्यतः एडहॉक और विवेकाधीन बने हुए हैं.

इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि नगर निगमों के दिवालियापन से निपटने के लिए किसी भी पूर्व-निर्धारित व्यवस्था का अभाव है. जब शहर ऋण भुगतान में चूक करते हैं, तो लेनदारों को अपने अधिकारों और दावा प्रक्रिया के बारे में पूरी तरह से अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है. सेबी ने अभी तक दिवालिया होने वाले नगर निगमों के लिए ऋण वसूली पर स्पष्ट दिशानिर्देश जारी नहीं किए हैं. यह स्पष्ट नहीं है कि क्या दिवाला और दिवालियापन संहिता या कॉर्पोरेट ऋण पर लागू ऋण वसूली न्यायाधिकरण अधिनियम, नगर निगमों के चूक के मामलों में लागू किया जा सकता है. यह नियामकीय कमी लेनदारों के विश्वास को गंभीर रूप से कमजोर करती है और भारत के नगर निगम बॉन्ड बाजार की गहराई को सीमित करती है.

दूसरे देशों से सीख

सिर्फ कुछ ही देशों ने स्थानीय निकायों के लिए दिवालियापन ढांचे स्थापित किए हैं. अमेरिका अपने दिवालियापन संहिता के अध्याय 9 के जरिये इसका सबसे शिक्षाप्रद उदाहरण प्रस्तुत करता है. यह यात्रा आसान नहीं रही-मूल 1934 के नगरपालिका दिवालियापन कानून को राज्य की संप्रभुता का उल्लंघन करने के कारण रद्द कर दिया गया था. अमेरिका बनाम बेकिंस मामले में संवैधानिक रूप से स्वीकृत 1937 के संशोधित अधिनियम ने 1978 के दिवालियापन सुधार अधिनियम के जरिये आज के अध्याय 9 का रूप ले लिया.

नगरपालिका संप्रभुता का सम्मान करते हुए, अध्याय 9 शहरों को ऋण समायोजन पर व्यापक विवेकाधिकार प्रदान करता है, जहां न्यायालय केवल दिवालियापन का निर्धारण और पुनर्गठन योजनाओं का मूल्यांकन कर सकते हैं. लेनदारों द्वारा परिसंपत्ति परिसमापन के किसी भी दावे पर स्वतः रोक लगाने का प्रावधान है ताकि नगरपालिकाएं ऋण समायोजन योजना पर बातचीत करते हुए बुनियादी सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करना जारी रख सकें. डेट्रॉइट का 2013 का दिवालियापन—जो घटते टैक्स आधार और बढ़ती पेंशन लागतों के कारण हुआ—इस ढांचे की प्रभावशीलता को दर्शाता है. न्यायालय की निगरानी में, शहर ने लेनदारों के साथ बातचीत की और एक वर्ष के भीतर एक व्यवहार्य वित्तीय पुनर्गठन योजना के साथ दिवालियापन से उबर गया. भारत के सामने चुनौती इन सीखों को अपनी अनूठी संवैधानिक संरचना के अनुकूल बनाने की है.

संप्रभुता बनाम ऋण शोधन क्षमता: भारत की दुविधा

भारत को नगरपालिका दिवालियापन कानून बनाने में अनूठी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय निकाय राज्य सरकारों के अंतर्गत आते हैं. नगरपालिकाओं को शहरी सेवाएं प्रदान करने का संवैधानिक दायित्व सौंपा गया है. किसी भी दिवालियापन ढांचे में विरोधाभासी प्रतीत होने वाली अनिवार्यताओं के बीच संतुलन बनाना होगा: आवश्यक शहरी सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति और लेनदारों के दावों का निपटान.

ये संघर्ष बहुआयामी हैं और हमारी संवैधानिक संरचना में गहराई से निहित हैं. पहला, चूंकि दिवालियापन समवर्ती सूची में आता है, इसलिए केंद्रीय दिवालियापन कानून नगरपालिका प्रशासन पर राज्य की स्वायत्तता को प्रभावित कर सकता है. दूसरा, ऋण नवीनीकरण के लिए आमतौर पर एस्क्रो राजस्व या नगरपालिका संपत्तियों पर दावों को सुरक्षित करना जरूरी होता है. डेट्रॉइट के मामले में, संपत्ति करों पर बॉन्डहोल्डर्स के दावों को असुरक्षित माना गया, जिसके परिणामस्वरूप कैसीनो टैक्स राजस्व पर अधिकार के माध्यम से पुनर्गठन किया गया. लेकिन भारत की स्थिति कहीं अधिक जटिल है. राज्य सरकारें नगरपालिका वित्त पर कड़ा विवेकाधीन नियंत्रण रखती हैं. वित्त विभाग अपारदर्शी प्रक्रियाओं के माध्यम से राजस्व उपयोग और संपत्ति संपार्श्विकीकरण को मंजूरी देते हैं. स्थानीय राजस्व और संपत्तियों को संपार्श्विक के रूप में उपयोग करने की वास्तविक संभावना अत्यधिक अनिश्चित बनी हुई है. उदाहरण के लिए, पुणे नगर निगम के बॉन्ड के लिए अंतर्निहित संरचित भुगतान तंत्र 'नो-लीन एस्क्रो अकाउंट्स' से संबंधित है. यह संभावित चूक की स्थिति में नगरपालिका संपत्ति या राजस्व पर बॉन्डहोल्डर के दावों को अनिवार्य रूप से असुरक्षित छोड़ देता है - कानूनी अनिश्चितता की एक उल्लेखनीय स्वीकृति. ऋण नवीनीकरण के मामलों में टैक्स वृद्धि या उपलब्ध नगरपालिका करों से राजस्व प्राप्तियों का उपयोग करने की जरूरत होती है. यह स्पष्ट नहीं है कि राज्य के विशेषाधिकारों और ऋणदाताओं के अधिकारों के बीच टकराव पैदा किए बिना, इसे हमारी मौजूदा संवैधानिक व्यवस्था के अंतर्गत वैध कैसे बनाया जा सकता है, इसे लागू करना तो दूर की बात है.

भारत में नगरपालिका दिवालियापन समाधान में अनिवार्य रूप से राज्य सरकारों, नगरपालिकाओं और निवेशकों के बीच त्रिपक्षीय वार्ता शामिल होगी. चूंकि राज्य सरकारें राजस्व आधार को नियंत्रित करती हैं, इसलिए वे इन वार्ताओं पर हावी रहेंगी. ऐसी प्रक्रियाओं की एड-हॉक प्रकृति, जो परस्पर विरोधी राजनीतिक और व्यावसायिक हितों से प्रभावित होती है, लेनदारों के लिए कुशल

दर्शक तो हम बन गए, मगर सर्जक के सुख को गंवा दिया !

हेमधर शर्मा

अमेरिका के लिटिल रॉक की निवासी एलिस जॉनसन को जब जिंदगी बहुत बोझिल लगने लगी तो अपने सत्तरवें जन्मदिन पर उन्होंने निश्चय किया कि वे अगले एक साल में 70 नई क्रियेटिव चीजें करेंगी. वे चाहती थीं कि हर अनुभव उनके लिए नया हो, इसलिए सीखने की सूची में अलग-अलग विषयों को रखा- जैसे कुछ नया खाना बनाना सीखना, कोई नई कला सीखना आदि. साल बीतते न बीतते उन्होंने पाया कि उनकी जिंदगी एकदम बदल गई है. वे कहती हैं, 'हम खुद को बहुत बहाने देते हैं, मैंने भी दिए. अब नहीं देती.'

अमेरिका के ही कारमेन डेल ओरेफिस ने 1945 में 14 साल की उम्र में मॉडलिंग करियर की शुरुआत की थी, और आज 94 साल की उम्र में भी वे फैशन की दुनिया में सक्रिय हैं. कारमेन का मानना है कि काम करते रहना ही सफलता की कुंजी है. आयरलैंड के 89 वर्षीय आयरिश हार्प मेकर नोएल एंडरसन ने 82 वर्ष की उम्र में वीणा बनाना सीखा था. वे पिछले सात वर्षों में 18 वीणा बना चुके हैं तथा इन दिनों 19वीं सदी की एक खास डिजाइन पर काम कर रहे हैं.

महापुरुषों की कहानियां पढ़ें तो हम पाएंगे कि उन्होंने अपने जीवन के अंत तक खुद को सृजनात्मक बनाए रखा था. रवींद्रनाथ टैगोर ने 60 साल की उम्र में पेंटिंग शुरू की थी और महात्मा गांधी तो 78 साल की उम्र में बांग्ला भाषा सीख रहे थे. कई लोगों को लगता है कि विद्यार्थी जीवन समाप्त होते ही सीखने का भी अंत हो जाता है लेकिन जिस दिन से हम सीखना बंद कर देते हैं, उसी दिन से शायद मरना शुरू कर देते हैं! विज्ञान कहता है कि कुछ नया सीखने से दिमाग में न्यूरॉन्स के बीच नए और मजबूत संबंध बनते हैं, जिसे 'प्लास्टिसिटी' कहते हैं.

यह मस्तिष्क के बदलने और अनुकूलन करने की क्षमता है, जो सीखने के साथ बढ़ती है. बहती नदी का पानी जैसे निर्मल रहता है और ठहरते ही सड़ने लगता है, यही चीज शायद हमारे दिमाग के साथ भी होती है! जिस समाज में सृजनात्मक चीजें ज्यादा होती हैं, उसमें विध्वंसात्मक प्रवृत्ति उतनी ही कम होती है. कुछ नया सीखना बंद कर देने से सिर्फ दिमाग का लचीलापन ही खत्म नहीं होता, हमारी सोच में भी कठोरता आ जाती है और हम अधिकाधिक कट्टर होते जाते हैं. शायद यही कारण है कि दुनिया में सारे तानाशाह अतीतजीवी होते हैं और क्रियेटिव लोग स्वप्नदर्शी!

अध्ययनों से पता चलता है कि रचनात्मकता और लंबी उम्र के बीच सकारात्मक संबंध है तथा 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में, साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होने वाले लोगों को रचनात्मक गतिविधियों से दूर रहने वालों की तुलना में डॉक्टर के पास कम जाना पड़ता है. ऐसा नहीं है कि रचनात्मकता सीधे तौर पर हमारी उम्र बढ़ा देती है, बल्कि यह हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करती है, जिससे उम्र बढ़ जाती है. शोध बताते हैं कि रचनात्मकता मस्तिष्क के उन क्षेत्रों की रक्षा करती है जो उम्र बढ़ने के प्रति संवेदनशील होते हैं, जिससे मस्तिष्क की कार्यक्षमता अधिक कुशल बनती है.

पुराने जमाने में सुविधाएं भले ही कम थीं लेकिन जीवन में रचनात्मकता भरपूर देखने को मिलती थी. जब घर-घर में हैंडपंप या बोरवेल नहीं होते थे तो सुदूर नदी-तालाबों या कुओं से पानी भरने के लिए झुंड में जाने वाली महिलाओं की सुरीली तान उनकी सारी थकान हर लेती थी. तड़के चार बजे ही उठकर मिट्टी की चकरी पर धान दरती या पत्थर की हाथ चक्की पर आटा पीसती महिलाओं के लोकगीतों से भोर की बेला और भी सुहानी हो उठती थी. आज हम सीमेंट-कांक्रीट के मकान बनाकर अगले 40-50 वर्षों तक उसकी देखभाल करने के झंझट से मुक्त हो जाते हैं लेकिन पहले मिट्टी के मकानों की हर साल पुताई-लिपाई करनी पड़ती थी. देखा जाए तो गांवों में लोग प्रायः पूरे साल भर ही किसी न किसी काम में व्यस्त रहते थे. तकनीकी आविष्कारों ने आज हमारे जीवन को पहले के मुकाबले बहुत सुलभ बना दिया है।

प्राकृतिक बारिश की बराबरी नहीं कर सकता है कृत्रिम बादल, दिल्ली में नाकाम साबित हुआ विज्ञान का प्रयास

रंजना मिश्रा

दिल्ली का आसमान जब धुएं और धूल की एक मोटी चादर ओढ़ लेता है, तब सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। सूरज सिर्फ धुंधला-सा एक धब्बा बन कर रह जाता है। तब हर किसी को बारिश की प्रतीक्षा होती है। एक ऐसी बारिश की जो जहरीले गुबार को धो डाले और हवा को फिर से सांस लेने लायक बना दे। यह वह स्थिति होती है जब स्कूल बंद कर दिए जाते हैं, अस्पतालों में सांस के मरीजों की कतारें लग जाती हैं और स्वस्थ इंसान भी अपनी आंखों में जलन और फेफड़ों में चुभन महसूस करने लगता है। मगर जब प्रकृति रूठ जाती है, जब मानसून दूर होता है और पश्चिमी विक्षोभ भी धोखा दे जाता है, तब नजरें उठती हैं विज्ञान की ओर।

प्रदूषण से लड़ाई की इसी उम्मीद के साथ कुछ समय पहले दिल्ली ने कृत्रिम बारिश के लिए बादलों का दरवाजा खटखटाया था। आइआइटी कानपुर के वैज्ञानिकों के साथ मिल कर एक बड़ी योजना बनी। विशेष विमान तैयार किए गए और दिल्ली की बेबस जनता टकटकी लगाए आसमान की ओर देखने लगी। वह दिन आया, जब विमानों ने बादलों के बीच जाकर अपना काम किया। मगर नतीजा सिफर रहा। यह महंगा तकनीकी प्रयोग विफल रहा। इस नाकामी को समझने के लिए हमें यह समझना होगा कि कृत्रिम बारिश आखिर होती कैसे है?

कृत्रिम बारिश को वैज्ञानिक भाषा में 'क्लाउड सीडिंग' या 'बादलों का बीजारोपण' कहते हैं। यह पहले से मौजूद बादलों को बारिश करने के लिए 'मनाने' या 'उकसाने' की एक तकनीक है। प्राकृतिक तौर पर बारिश तब होती है, जब बादलों में मौजूद पानी की अरबों सूक्ष्म बूंदें या बर्फ के क्रिस्टल आपस में जुड़ कर इतने बड़े और भारी हो जाते हैं कि हवा उन्हें और संभाल नहीं पाती और वे गुरुत्वाकर्षण के कारण जमीन पर गिरने लगते हैं। यह प्रक्रिया उन घने 'कपासी' बादलों में सबसे अच्छी होती है जो रुई के पहाड़ों की तरह दिखते हैं और जिनमें पानी की मात्रा भरपूर होती है। मगर कई बार, बादलों में पानी तो बहुत होता है, मगर वे बूंदें इतनी छोटी होती हैं कि आपस में जुड़ कर भारी नहीं हो पातीं। यहीं पर बादलों के बीजारोपण की भूमिका शुरू होती है।

इस प्रक्रिया में, एक विमान या राकेट के जरिए बादलों के एक खास हिस्से में कुछ विशेष रसायन छोड़े जाते हैं। ये रसायन 'बीज' का काम करते हैं। सबसे आम रसायन है सिल्वर आयोडाइड, जिसकी बनावट बर्फ के बारीक टुकड़े से मिलती है। जैसे ही इसे ठंडे बादलों में छिड़का जाता है, पानी की ठंडी बूंदें इसे असली बर्फ के टुकड़े समझ कर इससे चिपकने लगती हैं। देखते ही देखते यह छोटा सा कण लाखों बूंदों को जोड़ कर बर्फ का एक बड़ा 'क्रिस्टल' बन जाता है, जो पिघल कर बारिश की बूंद के रूप में जमीन पर गिरता है।

गर्म बादलों के लिए, नमक या कैल्शियम क्लोराइड जैसे 'नमी सोखने वाले' कणों का इस्तेमाल होता है, जो हवा से नमी खींच कर बड़ी बूंदों में तब्दील हो जाते हैं। यह तकनीक कोई नई नहीं है। चालीस के दशक में अमेरिकी वैज्ञानिक विंसेंट शेफर ने इसकी खोज की थी और तब से लेकर आज दुनिया के पचास से अधिक देश इसका इस्तेमाल सूखे से लड़ने और पानी के भंडारण के लिए या यहां तक कि बड़े आयोजनों से पहले मौसम साफ करने के लिए करते आ रहे हैं।

अब सवाल यह है कि यह तकनीक दिल्ली में क्यों नाकाम हो गई? इसका जवाब है, नमी। दिल्ली का यह प्रयोग इसलिए विफल नहीं हुआ कि वैज्ञानिकों ने कोई गलती की या विमान ठीक से नहीं उड़े या सिल्वर आयोडाइड ने काम नहीं किया। यह प्रयास इसलिए नाकाम हुआ कि जिस 'कच्चे माल' की इस तकनीक को सबसे अधिक जरूरत होती है, वही आसमान से गायब था। आइआइटी कानपुर के विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि कृत्रिम बारिश की सफलता के लिए बादलों में नमी की एक न्यूनतम मात्रा होना अनिवार्य है।

सीधे शब्दों में कहें, तो बादल 'गीले' और घने होने चाहिए। वैज्ञानिकों के अनुसार, एक सफल बीजारोपण के लिए बादलों में कम से कम 50 फीसद या उससे अधिक तरलता होनी चाहिए। मगर दुर्भाग्य से, जिस दिन दिल्ली में यह परीक्षण किया गया, उस दिन आसमान में जो बादल मौजूद थे, वे बहुत पतले, सूखे और बेजान थे। वे घने कपासी बादल नहीं थे। उनमें नमी की मात्रा सिर्फ दस से बीस फीसद के बीच पाई गई। यह उस सूखी 'स्पंज' की तरह था, जिसे कितना भी निचोड़ लें, उसमें से पानी नहीं निकल सकता।

विडंबना देखिए, जिस प्रदूषण को मिटाने के लिए यह बारिश कराई जा रही थी, शायद उसी प्रदूषण ने बादलों की संरचना को इस हद तक बिगाड़ दिया था कि वे कृत्रिम बीजारोपण के लिए भी तैयार नहीं थे। वैज्ञानिकों को सिर्फ सूखे बादलों से ही नहीं, बल्कि 'प्रदूषित' और 'बिगड़ैल' बादलों से भी निपटना था। विमानों ने बादलों में सिल्वर आयोडाइड दागे, उन रसायनों ने अपना काम करने की कोशिश भी की, लेकिन जब बादलों में पर्याप्त जल कण ही नहीं थे, तो वे आपस में जुड़ कर बड़ी बूंदें कैसे बनाते? जो थोड़े-बहुत कण बने भी, वे इतने हल्के थे कि जमीन तक पहुंचने से पहले ही हवा में भाप बन गए। इस विफलता का एक और तकनीकी कारण था बादलों की ऊंचाई। विशेषज्ञों के मुताबिक, यदि बादल पांच हजार फुट के आसपास यानी जमीन के करीब होते, तो सफलता की संभावना ज्यादा होती, लेकिन दिल्ली के ऊपर बादल करीब दस हजार फुट या उससे भी अधिक ऊंचाई पर थे। इतनी ऊंचाई से एक छोटी बूंद का जहरीली और गर्म हवा के थपेड़ों को झेल कर जमीन तक पहुंचना लगभग नामुमकिन था। इसके अलावा, दिल्ली की सर्दियों में 'तापमान व्युत्क्रमण' की एक मोटी परत बन जाती है, जिसमें ठंडी हवा नीचे फंस जाती है और गर्म हवा उसके ऊपर एक ढक्कन लगा देती है। यह ढक्कन ही सारे प्रदूषण को शहर के ऊपर कैद रखता है। कृत्रिम बारिश के इस प्रयोग का एक मकसद इस ढक्कन को तोड़ना भी था, लेकिन अपर्याप्त नमी के कारण यह प्रयास सफल नहीं हो सका। कृत्रिम बारिश प्रदूषण का स्थायी समाधान नहीं है। यह एक 'आपातकालीन' उपाय है, जिसका इस्तेमाल तभी किया जा सकता है, जब मौसम की सभी परिस्थितियां, खासकर नमी सौ फीसद अनुकूल हों। दरअसल, दिल्ली का प्रदूषण जमीनी समस्या है। इसका समाधान बादलों में सिल्वर आयोडाइड छिड़कने से नहीं, बल्कि जमीन पर प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों को बंद करने से होगा। जब तक करोड़ों गाड़ियां धुआं उगलती रहेंगी, जब तक निर्माण स्थलों से धूल उड़ती रहेगी और जब तक औद्योगिक इकाइयां जहरीली हवा छोड़ती रहेंगी, तब तक कोई भी कृत्रिम बारिश हमें बचा नहीं सकती।

हमें अपनी जीवनशैली, अपनी नीतियों और अपनी प्राथमिकताओं को बदलना होगा।

बालोद के 59 केंद्रों में धान खरीदी का श्रीगणेश

बालोद में शुभ मुहूर्त में हुई धान खरीदी, किसानों में उत्साह का माहौल

बालोद। जिले में 15 नवंबर से छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का श्रीगणेश किया गया। धान खरीदी केंद्र कुसुमकसा में सांसद भोजराज नाग और कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा की उपस्थिति में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ हुआ। सांसद भोजराज़ नाग ने खरीदी केंद्र कुसुमकसा पहुंचकर किसानों का फूलमाला व गमछा पहनाकर स्वागत किया। जिसके पश्चात छत्तीसगढ़ महतारी एवं ईष्ट देवी-देवताओं की विधिवत पूजा कर धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान ग्राम गिधाली निवासी सावंत साहू पिता सहदेव राम साहू पहले किसान रहे जिन्होंने अपनी उपज बेची, किसान सावंत राम साहू ने 47 क्विंटल 60 किलो धान उन्होंने समर्थन मूल्य पर बेचा। किसान को बारदाना केंद्र में ही मिला। वही सांसद भोजराज़ नाग ने धान खरीदी के शुभारंभ के मौके पर कहा कि पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा धान खरीदी की शुरुआत हुई है, सरकार द्वारा प्रति क्विंटल 3 हजार 100 रुपये में धान की खरीदी की जा रही है, एक एकड़ में 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस है, जनजातीय, आदिवासी समाज का भारत मे क्या योगदान रहा है, चाहे आजादी की लड़ाई में हो, जल जंगल जमीन हो या फिर पर्यावरण बचाने में हो। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया। उसके लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को बहुत बहुत शुभकामनाएं देते हैं। वही सांसद भोजराज़ नाग ने उपार्जन केंद्रों व्यवस्थाओं को लेकर कहा कि पूजापाठ और नींबू काटकर शुभारंभ किया है, केंद्रों में कोई दिक्कत नही आएगी, अगर कोई दिक्कत होगी तो उसे नींबू काट ठीक करेंगे।

किसानों ने एक एक दाना धान खरीदा जाएगा : दिव्या

वही कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने बताया कि 15 नवंबर से धान खरीदी की शुरुआत हुई हैं। इस अवसर पर जिले के 59 केंद्रों में धान खरीदी की शुरुआत हुई है, 351 टोकन जारी किए गए है। इन 59 केंद्रों में पूरी व्यवस्थाएं है, सुचारू रूप से धान खरीदी शुरू हो गई हैं। उन्होंने कहा कि जिले में धान खरीदी प्रभावित न हो उसके लिए पंचायत सचिवों की भी ड्यूटी लगाई गई है। उनकी ट्रेनिंग भी कराई जा रही हैं। समिति प्रबंधक और डाटा एंट्री आपरेटरों से भी बात हुई है, कई जगह वे काम पर लौट रहे हैं। और जहां नही लौटेंगे वहां नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि धान खरीदी सरकार की पहली प्राथमिकता है, खरीदी जैसे आवश्यक सेवाओ में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। जिले के किसानों से एक एक दाना धान का खरीदा जाएगा। किसानों के लिए केंद्रों में समुचित व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर अजय किशोर लकरा, एसडीएम सुरेश साहू, संयुक्त कलेक्टर मधुहर्ष, प्राधिकृत अधिकारी एवं भाजपा कुसुमकसा मंडल अध्यक्ष योगेन्द्र गांधी के अलावा उप पंजीयक संस्थाएं आरके राठिया, जिला खाद्य अधिकारी तुलसी ठाकुर एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं किसान मौजूद थे।

बिहार में भाजपा की बड़ी जीत पर किरंदुल में जश्न, बस स्टैंड में कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाइयां

किरंदुल। बिहार में भाजपा की प्रचंड जीत की खुशी किरंदुल में भी साफ दिखाई दी। परिणाम आते ही कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ गया और शाम होते-होते बस स्टैंड जय स्तंभ चौक परिसर जश्न के माहौल में बदल गया। मंडल के कार्यकर्ता हाथों में पार्टी का झंडा लेकर पहुंचे और एक-दूसरे को जीत की बधाई दी। इसके बाद राहगीरों, दुकानदारों और यात्रियों को मिठाई बांटकर खुशी साझा की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि बिहार की जनता ने एक बार फिर विकास और स्थिर सरकार को चुना है। जिला उपाध्यक्ष डी पी मिश्रा मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी निवर्तमान मंडल महामंत्री संजीव दास ने बताया कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास का परिणाम हैं।उन्होंने कहा कि इससे संगठन का मनोबल और बढ़ा है, और आने वाले दिनों में जनता से जुड़कर काम करने की ऊर्जा मिली है। बस स्टैंड में हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। ढोल-नगाड़ों अबीर-गुलाल और मिठाइयों के साथ देर शाम तक जश्न चलता रहा।इस दौरान भाजपा मंडल महामंत्री विक्रम नाहक, मोहित धवन, मीना मंडावी एवम अनेक कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

प्रकाश विद्यालय में मनाया गया 67 वां स्थापना दिवस

किरंदुल। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के जयंती व बाल दिवस के अवसर पर प्रकाश विद्यालय किरन्दुल ने अपना 67वाँ स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर के मुख्य अतिथि आर्सेलर मित्तल निप्पान स्टील इण्डिया कंपनी के जनरल मैनेजेर वाईव्ही. राघवेलु तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. तेज प्रकाश सीएसआर प्रमुख रहें। इस अवसर जीएम राघवेलु ने उपहार स्वरूप बच्चों को ज्ञानवर्धक पुस्तकें प्रदान की। इस उपहार को इस अवसर पर प्राप्त कर बच्चे अत्यधिक प्रसन्न हुए। प्राचार्य फादर दिलीप टी मैथ्यू ने बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना की इस कार्यक्रम में उप प्राचार्य सिस्टर जीना मैनेजर फादर थॉमस एवं सभी शिक्षक उपस्थित रहें।

नेताओं द्वारा तराजू पूजन, शुरू नहीं हुई धान खरीदी

डोंगरगांव नगर। राज्यशासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए निर्धारित तिथि को धानखरीदी प्रारंभ नही हो सकी है। हालांकि नेताओं व जनप्रतिनिधियों के द्वारा तौल तराजू का पूजन कर औपचारिक शुभारंभ किया गया, लेकिन सोसायटी कर्मचारियों के हड़ताल दौरान किसानों के टोकन नही कटे होने से मुख्यालय नगर सहित अंचल के अनेक सोसायटियों में धानखरीदी नही शुरू नही हो पाने की खबर है। उल्लेखनीय है कि राज्यशासन के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा धानखरीदी प्रारंभ करने ग्राम पंचायत सचिवों की ड्यूटी लगाई गई है, लेकिन हड़ताल संकट की वजह से टोकन नहीं कटे होने से कुछ धान उपार्जन केंद्रों में धानखरीदी शुरू नही हो पाने की खबर है। अंचल के सोसायटी प्रबंधकों की माने तो कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल में होने की वजह से धानखरीदी की तैयारियाँ भी शत प्रतिशत नही हो सकी है। हालांकि इसके बावजूद शासन के नियमानुसार किसानों के हित मे धानखरीदी प्रारंभ करने शासन के नुमाइंदे जुटे हुए थे। इस आशय को लेकर प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नापतौल करने वालों की बैठक भी ली गई थी। इसके बावजूद भी हड़ताल संकट की चर्चा ने धान खरीदी प्रारंभ होने के इंतजार में बैठे किसानों को रोक रखा है। धान उपार्जन केंद्र डोंगरगांव नगर में औपचारिक शुभारंभ के मौके पर नेतागण दिनेश गाँधी, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, दीना पटेल, अंजू त्रिपाठी, गुलशन हिरवानी, पुरुषोत्तम साहू, धनराज ठाकुर, प्राधिकृत रामकुमार गुप्ता एवं प्रबंधक प्रतीक ठाकुर सहित धानखरीदी केंद्र के हमाल बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मेन मार्केट में आरएसएस द्वारा चलाई गई व्यापक गृह संपर्क अभियान

किरंदुल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पूरे देशभर में 20 नवंबर तक गृह संपर्क अभियान चलाया जा रहा हैं। इसके साथ ही हिंदू सम्मेलन आयोजित करने की रूपरेखा तय किया जा रहा हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में किरंदुल मार्केट स्वयं सेवक में घर घर जाकर भारत माता की तैलचित्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष की पुस्तिका,पंच परिवर्तन का पर्चा वितरण किया गया। यह कार्यक्रम बस्ती-मंडल स्तर पर हो रही हैं। गृह संपर्क अभियान में पालको, युवा युवतियों एवं विशिष्टजनों से संपर्क किया जा रहा हैं। गृह संपर्क अभियान में पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्व आधारित जीवन और नागरिक कर्तव्य बोध के बारे में लोगों को जागरुक कर रहे हैं। इस अवसर पर नगर संचालक रामकृष्ण बैरागी, मोहित देशमुख, गजेंद्र गुप्ता, गौरव सिंह, विकास स्वामी उपस्थित थे।

के.जी. कान्वेंट स्कूल में धूमधाम से मनाया गया 'बाल दिवस'

सरायपाली। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन के अवसर पर हर साल की तरह इस वर्ष भी के.जी. कान्वेंट स्कूल में 'बाल दिवस' पर्व बड़ी धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। स्कूल परिसर को रंगीन गुब्बारों और सजावटी सामानों से सजाया गया था, जो बच्चों की खुशी को और बढ़ा रहा था। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम ने बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। शिक्षकों द्वारा किए गए नृत्य , गायन और लघु नाटिका ने बच्चों को खूब हँसाया और तालियाँ बजाने पर मजबूर कर दिया। विशेष आकर्षणः बच्चों ने देखा कि उनके रोज़ के शिक्षक जब स्टेज पर कलाकारों की तरह प्रदर्शन कर रहे थे, तो वे आश्चर्यचकित और बहुत उत्साहित थे।

शासकीय हाईस्कूल कोड़ेनार क्रमांक 1 किरन्दुल में जनजातीय गौरव पखवाड़ा का आयोजन

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले के समस्त विद्यालयों में 15 नवम्बर तक जनजातीय गौरव परखवाड़ा का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में किरन्दुल स्थित शासकीय हाई स्कूल कोड़ेनार क्रमांक 01 में एसएमसी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पार्षद गण, समस्त स्टाफ व कर्मचारी की उपस्थिति में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर जनजातीय समुदाय के लोग अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने के लिए पारंपरिक वेशभूषा और पारंपरिक वाद्य यंत्रों का उपयोग के बारे में बताया गया। साथ ही दीवार कला, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध, चित्रकला, कहानी, सामूहिक गीत, रंगोली, व्यंजन एवं आदिवासी घरों में भ्रमण, चलचित्र दिखाया गया।अंत में' प्रदर्शनी लगाकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

सरला कोसरिया ने मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना कर धान खरीदी प्रक्रिया की प्रारंभ

सरायपाली। सरायपाली विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक सहकारी समिति भोथलडीह में धान खरीदी सीजन का विधिवत शुभारंभ पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य तथा भाजपा नेत्री सरला कोसरिया ने माँ लक्ष्मी की पूजा कर खरीदी प्रक्रिया प्रारंभ की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान, ग्रामीणजन एवं समिति पदाधिकारी उपस्थित थे। पूजा-अर्चना के उपरांत सरला कोसरिया ने कहा कि प्रदेश को धान कटोरा की पहचान दिलाने वाले किसानों का परिश्रम अतुलनीय है। उन्होंने प्रदेश के सभी किसानों के सुख, समृद्धि और उत्तम फसल की कामना की। खरीदी प्रारंभ होते ही किसानों में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। सरला कोसरिया ने आगे कहा कि वर्तमान सरकार किसानों की समृद्धि और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान उपार्जन तथा 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है, जो किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने वाला ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने इसे किसानों की मेहनत का सम्मान बताया। समिति प्रबंधक और अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि धान खरीदी कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ संचालित किया जाएगा।

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर भाजपा मंडल ने किया माल्यार्पण

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मंडल भानुप्रतापपुर द्वारा संबलपुर रोड स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर भव्य माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक सहभागी बने। कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष डिगेश खापर्डे ने किया। उन्होंने बिरसा मुंडा के योगदान को याद करते हुए कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा हमारे इतिहास के एक ऐसे उज्ज्वल अध्याय हैं, जिन्होंने जंगल, जल और जमीन की रक्षा के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। वे केवल आदिवासी समाज के नायक नहीं, बल्कि पूरे भारतीय समाज के प्रेरणास्रोत हैं। उनके संघर्ष, त्याग और नेतृत्व ने देश को आत्मस्वाभिमान का संदेश दिया है। हम सबको उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। उनका जीवन हमें सिखाता है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना ही सच्ची सेवा है। भाजपा संगठन सदैव जनजातीय समाज की उन्नति, शिक्षा और सम्मान के लिए कार्य करता रहा है और आगे भी करता रहेगा।

कार्यक्रम में, जिला उपाध्यक्ष बृजेश चौहान जिला महामंत्री जितेंद्र मरकाम, कस्तूरचंद जैन रत्नेश सिंह शंकर लाल गांधी रजिंदर रंधावा, संकेत नशीने मंडल महामंत्री राजीव श्रीवास, संदीप (बुलचा) ठाकुर ललित गांधी सुमित्रा साहू, सीता चंद्राकर उर्मिला जसूजा संगीता टांडिया डीकेश साहू प्रेम शर्मा, कनक राजपूत, सुरेश टांडिया उपस्थित हुए।

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शेखावत के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

रायपुर। पुलिस ने करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर लाइव आकर पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रायपुर और तत्कालीन थाना प्रभारी पुरानी बस्ती योगेश कश्यप का नाम लेकर गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी दी। योगेश कश्यप की शिकायत पर मौदहा पारा थाना में यह मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में शासकीय कर्मचारी को धमकी देने, अभद्र भाषा का प्रयोग करने और जान से मारने की धमकी देने जैसी गंभीर धाराएँ शामिल की गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया लाइव के दौरान डा शेखावत द्वारा की गई टिप्पणियों को पुलिस विभाग ने कानून-व्यवस्था के लिए खतरा मानते हुए कार्रवाई की है। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस आगे की विवेचना में जुट गई है।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ : सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने उपार्जन केन्द्र अर्जुनी में पूजा-अर्चना के साथ किया शुभारम्भ

बलौदाबाजार। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी का कार्य जिले में प्रारंभ हो गया है। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने उपार्जन केन्द्र अर्जुनी में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर औपचारिक रूप से धान खरीदी का शुभारंभ किया। केन्द्र में धान विक्रय करने आये पहले किसान छेदू राम वर्मा का तिलक लगाया और फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया। किसान को बधाई देते हुए कहा कि सरकार किसानों के एक-एक दाना धान खरीदी करेगी। इस अवसर पर लोगों की मांग पर अर्जुनी में सहकारी समिति भवन निर्माण हेतु 10 लाख एवं सीसी रोड निर्माण हेतु 5 लाख रुपये देने की घोषणा की। सांसद अग्रवाल ने कहा कि सहकारी समिति कर्मचारियों की हड़ताल के बावजूद सुव्यवस्थित रूप से धान खरीदी होगी। सभी उपार्जन केंद्रों में कर्मचारियों की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। किसानों को धान बेचने में कोई चिंता करने की बात नहीं है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से उपार्जन केन्द्र में पंजीकृत किसानों की संख्या, टोकन, बरदाने सहित अन्य व्यवस्थाओ की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि किसानों को धान बेचने में कोई दिक्कत न हो। उन्होंने किसानों से कहा कि धान की राशि को अच्छे कार्य में उपयोग करें। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, कलेक्टर दीपक सोनी, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, जिला अध्यक्ष आनंद यादव, महिला आयोग की सदस्य लक्ष्मी वर्मा, स्काउट गाइड के

संक्षिप्त समाचार

रेल क्लब, बिलासपुर में पाँच दिवसीय योग शिविर का सफल आयोजन

बिलासपुर। दिनांक 10.11.2025 से 14.11.2025 तक रेल क्लब, बिलासपुर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए पाँच दिवसीय योग शिविर का सफ्लतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन हेडक्वार्टर पर्सनेल ब्रांच, बिलासपुर द्वारा किया गया। शिविर का उद्घाटन श्री आदित्य कुमार, प्रिंसिपल चीफपर्सनेल ऑफ्सिर के द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान, सूर्य नमस्कार तथा तनाव प्रबंधन की तकनीकों का प्रशिक्षण योग गुरु श्री शेखावत अली द्वारा प्रदान किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया और योग एवं एक्यूप्रेशर का अत्यंत लाभकारी अनुभव किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री पीयूष गुप्ता चेयरमेन (क्र्क्क्र) उपस्थित रहे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को योग को दैनिक जीवन में शामिल करने के लिए प्रेरित किया तथा सफ्ल आयोजन के लिए आयोजक शाखा की सराहना की। अंत में, श्री प्रकाश ए स्क्क्ष (ढ्क्र) हेडक्वार्टर पर्सनेल ब्रांच, बिलासपुर ने योग गुरु उस्ताद शेखावत अली एवं सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगी सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

विश्व मधुमेह दिवस पर एसईसीएल मुख्यालय में शुगर डिटेक्शन कैंप एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिलासपुर। विश्व मधुमेह दिवस 2025 के अवसर पर एसईसीएल मुख्यालय में मेडिकल विभाग द्वारा एक व्यापक स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शुगर डिटेक्शन कैंप, जागरूकता सत्र एवं शपथ ग्रहण शामिल थे। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों में मधुमेह की रोकथाम, समय पर जांच तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (तकनीकी/ऑपरेशन); श्री बिरंची दास, निदेशक (मानव संसाधन); तथा श्री डी. सुनील कुमार, निदेशक (वित्त) ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई। वरिष्ठ अधिकारियों की सहभागिता ने स्वास्थ्य जागरूकता एवं नियमित जांच की आवश्यकता को और अधिक रेखांकित किया। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान कुल 280 कर्मचारियों की मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप की जांच की गई, जो कर्मचारियों के स्वास्थ्य सुरक्षा तथा प्रारम्भिक निदान के प्रति एसईसीएल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह कार्यक्रम सीएमएस, एसईसीएल, डॉ. श्रुतिदेव मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मेडिकल टीम में डॉ. अरिहंत जैन, डॉ. संजीवनी पाणिग्रही, डॉ. अपूर्व शर्मा, एवं डॉ. विक्रम रेड्डी सहित पैरामेडिकल स्टाफशामिल रहे। टीम के समन्वित प्रयासों से यह स्वास्थ्य शिविर सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। ऐसी स्वास्थ्य-जागरूकता गतिविधियाँ एसईसीएल की सुदृढ़ स्वास्थ्य प्रणाली को और प्रभावी बनाती हैं तथा कर्मचारियों के समग्र कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एसईसीएल भविष्य में भी अपने कार्यबल के लिए एक स्वस्थ, जागरूक एवं सक्रिय कार्य संस्कृति बनाने की दिशा में सतत प्रयासरत रहेगा।

साइंस कॉलेज मैदान में स्वदेशी मेला का मुख्यमंत्री ने किया अवलोकन

स्वदेशी मेला सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी अस्मिता और आत्मसम्मान का उत्सव भी-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय....

- कारीगरों, स्व-सहायता समूहों एवं युवा उद्यमियों द्वारा बनाए गए उत्पादों की सराहना
- प्रदेश में स्थानीय उत्पादों के विपणन के लिए यूनिटी मॉल का किया जा रहा निर्माण

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बिलासपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित सात दिवसीय स्वदेशी मेला का अवलोकन करने पहुंचे। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच परिवार बिलासपुर द्वारा मुख्यमंत्री जी का भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने भारत माता, भगवान बिरसा मुंडा और राष्ट्रऋषि श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने स्वदेशी स्टालों का अवलोकन किया और कारीगरों, स्व-सहायता समूहों एवं युवा उद्यमियों द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि प्रदेश की आर्थिक धुरी को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्वदेशी मेला में स्थानीय परंपराओं के संवर्धन, ग्रामीण-शहरी उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से 300 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। हस्तशिल्प, कोसा वस्त्र, ढोकरा एवं बेलमेटल कला, गृह सज्जा सामग्री, जैविक उत्पाद और

पारंपरिक व्यंजनों से सजे स्टॉलों ने आगंतुकों का विशेष आकर्षण खींचा। मेले में प्रदर्शित हस्तनिर्मित उत्पादों की गुणवत्ता और विविधता लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।जनसमुदाय को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि न्यायधानी बिलासपुर में स्वदेशी मेला सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी अस्मिता और आत्मसम्मान का उत्सव है। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वदेशी जागरण मंच के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी को नमन करते हुए कहा कि मंच द्वारा स्वदेशी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि मंच के पदाधिकारी वर्षों से प्रदेश के विभिन्न शहरों में स्वदेशी मेलों का आयोजन करते आ रहे हैं। इस वर्ष पहली बार बस्तर में भी स्वदेशी मेला आयोजित हुआ, जिसमें गृहमंत्री श्री अमित शाह भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि स्वदेशी की शक्ति को सबसे पहले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने पहचाना था। महात्मा गांधी जी ने चरखा चलाकर स्वराज और स्वदेशी को जनांदोलन बनाया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वदेशी एक विचार है, जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और राष्ट्र की आत्मा को मजबूती देता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी आंदोलन को नई ऊर्जा दी। लोकल फॉर वोकल के आह्वान ने देशभर में स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन को गति प्रदान की। आत्मनिर्भर भारत अभियान ने स्वदेशी निर्माण और उद्यमिता को मजबूती दी।

स्काउट-गाइड द्वारा बाल दिवस पर भव्य बाल मेला 2025 का आयोजन

बिलासपुर। बाल दिवस के उपलक्ष्य में वीर आज़ाद ग्रुप, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ड्क भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, बिलासपुर जिला संघ के सौजन्य से शुक्रवार को जिला मुख्यालय भवन, कंट्रोल ब्लॉक में बाल मेला 2025 का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 3 बजे हुआ, जिसमें कब्स, बुलबुल्स, स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स रेंजर्स, प्रशिक्षक, अभिभावक एवं रेल परिक्षेत्र के 05 से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों सहित के लगभग 450 लोगों ने जोशपूर्ण भागीदारी की। कार्यक्रम का संपूर्ण आयोजन जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री अनुराग कुमार सिंह एवं जिला आयुक्त (गाइड) सुश्री नेहा सिंह के दूरदर्शी मार्गदर्शन में किया गया। श्री अनुराग के नेतृत्व, प्रोत्साहन और प्रेरणादायी मार्गदर्शन

के कारण वीर आज़ाद ग्रुप तथा अन्य सभी ग्रुप लगातार ऐसे उत्कृष्ट, अनुकरणीय और बाल-हितैषी कार्यक्रमों का आयोजन करता आ रहे हैं। उनके सतत समर्थन ने ही बाल मेला 2025 को एक यादगार और अत्यंत सफ्ल आयोजन बनाया। बाल मेले में बच्चों के लिए एडवेंचर बेस, जंपिंग झूला, फ्न गेम्स, स्टोरीटेलिंग, गेमिंग बॉल, शूटिंग, बलु एंड शेरखान शो सहित कई रचनात्मक एवं मनोरंजक गतिविधियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। बच्चों ने अत्यधिक उत्साह और खुशी के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बाल दिवस का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री दिलीप कुमार स्वाइन, जिला संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुजाता सिंह, साथ ही जिला सचिव श्री संजय मेश्राम, जिला प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) श्री दिनेश यादव, तथा जिला प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) श्रीमती जया बनर्जी ने भी सक्रिय भूमिका निभाई और बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

श्रद्धा महिला मंडल द्वारा श्रवण-बाधित बालिकाओं के बीच मनाया बाल दिवस

- मंडल द्वारा बच्चियों के लिए भेंट की गई ऑटोमैटिक वाशिंग मशीन

बिलासपुर। बाल दिवस 2025 के अवसर पर श्रद्धा महिला मंडल, एसईसीएल बिलासपुर ने एक हृदयस्पर्शी एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया। मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन के मार्गदर्शन में निवेदिता हॉस्टल, सरकंडा स्थित 'सत्य साई हेल्प वे' में रह रहीं 45 श्रवण-बाधित बालिकाओं के साथ यह विशेष दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में अध्यक्षा श्रीमती दुहन, उपाध्यक्षा गण तथा मंडल की अन्य सदस्याएँ सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम की शुरुआत में बालिकाओं ने स्वयं बनाए गए गुलाब के फूलों से अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। तत्पश्चात पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं महात्मा गांधी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। श्रीमती दुहन ने बालिकाओं के साथ मिलकर बाल दिवस का केक काटा, जिसके बाद बालिकाओं ने अपनी मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से सभी का मन जीत लिया। उनकी प्रतिभा, आत्मविश्वास और उत्साह ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। इस अवसर पर श्रद्धा महिला मंडल द्वारा बालिकाओं की दैनिक सुविधा हेतु एक फुली ऑटोमैटिक वॉशिंग मशीन भेंट की गई। इसके अतिरिक्त सभी 45 बालिकाओं को टी-शर्ट्स वितरित की गईं। बालिकाओं के लिए स्वादिष्ट लंच की व्यवस्था भी की गई, जिसका उन्होंने उत्साहपूर्वक आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में बालिकाओं ने सांकेतिक भाषा में श्रद्धा महिला मंडल के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया।

अच्छी बारिश और बढ़े समर्थन मूल्य से खिले किसानों के चेहरे.....

कोरबा। ग्राम पतरापाली के किसान राजाराम राठिया के चेहरे पर इन दिनों खुशी झलक रही है। कुछ महीने पहले तक जो चेहरे चिंता की लकीरों से भरे थे, अब वही चेहरे मेहनत की फ्सल देखकर खिल उठे हैं। पहाड़ी इलाके में कठिन परिश्रम कर खेत जोतने और धान बोने वाले किसान राजाराम को अब राहत है कि इस साल बारिश ने उनका साथ दिया। राजाराम बताते हैं कि जून-जुलाई के महीनों में विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने बीज बोए थे, लेकिन दिल में यह डर भी था कि कहीं बारिश धोखा न दे। उनकी मेहनत रंग लाई - खेत लहलहा उठे और अब वे पकी फ्सल की कटाई कर खलिहान तक पहुंचाने में जुटे हैं। किसान राजाराम राठिया कहते हैं कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल कर देना हम किसानों के लिए बहुत बड़ा तोहफा है। इसके साथ ही प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी का निर्णय किसानों को आर्थिक संबल देगा।लगभग 20 एकड़ में फ्सल लेने वाले राजाराम ने बताया कि कटाई का काम अंतिम चरण में है और जल्द ही वे अपनी उपज कोरकोमा धान उपार्जन केंद्र में बेचेंगे। उनका पंजीयन भी पूरा हो चुका है। राजाराम की पत्नी जानकी बाई राठिया कहती हैं कि हम सबने मिलकर धान बोया था, आज उसे पकते और लहलहाते देखना बहुत सुखद है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने जीता 80वीं अखिल भारतीय फुटबॉल चैम्पियनशिप 2025 का खिताब

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय फुटबॉल टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन, खेल कौशल और अदम्य टीम भावना के बल पर 80वीं अखिल भारतीय इंटर रेलवे फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 का फाइनल मैच जीतकर विजेता बनी और खिताब अपने नाम किया है ।पूर्व रेलवे खेल संघ, कोलकाता द्वारा दिनांक 22 अक्टूबर से 07 नवम्बर, 2025 तक यह 80वीं अखिल भारतीय इंटर रेलवे फुटबॉल चैंपियनशिप कोलकाता में आयोजित की गई । जिसमें देश भर से भारतीय रेलवे की कुल 24 ज़ोनल टीमों ने भाग लिया । रोमांचक फाइनल मुकाबला कोलकाता में खेला गया जिसमे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय टीम ने गतवर्ष के चैंपियन सेंट्रल

रेलवे को 1-0 से पराजित कर इतिहास रच दिया । मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे टीम ने अनुशासन, रणनीति और उत्कृष्ट टीम भावना का प्रदर्शन करते हुए निर्णायक गोल किया और जीत को सुनिश्चित किया । यह जीत खिलाड़ियों की मेहनत, कोचिंग स्टाफ के समर्पण और टीम की एकजुटता का नतीजा है । आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश से सौजन्य भेट की । इस गौरवपूर्ण अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने टीम को बधाई देते हुए कहा यह जीत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण है । हमारी फुटबॉल टीम ने अनुशासन, एकता और समर्पण के बल पर 80वीं अखिल भारतीय इंटर रेलवे फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब जीतकर पूरे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का मान बढ़ाया है । यह उपलब्धि हमारी खेल संस्कृति, प्रशिक्षण व्यवस्था और टीम भावना का प्रमाण है । मैं टीम के सभी खिलाड़ियों, कोचों तथा सहयोगी स्टाफ को हार्दिक बधाई देता हूँ । इस जीत ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि जहाँ मेहनत, अनुशासन और टीम वर्क होता है, वहाँ जीत निश्चित होती है । इस शानदार उपलब्धि पर पुन:दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक एवं सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम को हार्दिक बधाई दी तथा भविष्य में भी उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन जारी रखने की प्रेरणा दी है ।

जोनल रेलवे, बिलासपुर में क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव-2025 संपन्न

- विजेता नाटक फ्लाइंग रानी अखिल भारतीय रेल हिंदी नाट्योत्सव-2025 के लिए चयनित

बिलासपुर। अखिल भारतीय रेल हिंदी नाट्योत्सव-2025 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रधान कार्यालय, राजभाषा विभाग द्वारा आज दिनांक 14.11.2025 को रेलवे एन.ई.इंस्टिट्यूट, प्रेक्षागृह, बिलासपुर में क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव - 2025 का आयोजन किया गया ।नाटक मंचन हेतु रेल मंडलों एवं कारखानों से कुल 03 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं ।इस क्रम में प्रधान कार्यालय के नाटक फ्लाइंग रानी, बिलासपुर मंड़ल के नाटक अपील और रायपुर मंडल के नाटक ग्रहण की प्रस्तुति दी गई ।क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव -2025 के मुख्य अतिथि श्री शिवशंकर लकड़ा, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य सामग्री प्रबंधक-।, द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर थे । इस प्रतियोगिता में निर्णायकद्वय के रूप में बिलासपुर नगर के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ देवधर महंत तथा डॉ अजय पाठक उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं निर्णायकद्वय के करकमलों से दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर हुआ ।सर्वप्रथम बिलासपुर मंडल द्वारा नाटक अपील का मंचन किया गया ।डॉ वी.वी.रामाराव द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन श्री धीरज सोनी, कनिष्ठ लिपिक, बिलासपुर मंडल द्वारा किया गया ।इस नाटक में एक भोले-भाले सामान्य व्यक्ति के जीवन में अचानक आई मुसीबतों को दर्शाते हुए व्यक्तिगत और सामाजिक उत्तरदायित्व का बोध कराया गया ।दूसरा नाटक फ्लाइंग रानी प्रधान कार्यालय, बिलासपुर द्वारा मंचित किया गया । नाटककार मोहन बनसोडे द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन श्री हर्षल नागदेवते, वरिष्ठ लिपिक/प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक कार्यालय द्वारा किया गया ।इस नाटक में पति के अपाहिज होने पर जीवकोपार्जन हेतु विवशतावश वेश्यावृत्ति

के लिए मजबूर एक स्त्री की बड़ी मार्मिक एवं संघर्षशील जीवन गाथा को जीवंत रूप में कलाकारों द्वारा दर्शाया गया ।तीसरे नाटक ग्रहण का मंचन रायपुर मंडल द्वारा किया गया ।श्री एल.वी.एस.पी.रेड्डी, लोको पायलट (मेल)/ वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (ओपी), रायपुर के निर्देशन में इस नाटक में सामाजिक व्यवस्था और इसमें व्याप्त बुराईयों जैसे झूठ, पाखण्ड, चोरी, लूट इत्यादि के विरुद्ध आम आदमी को संगठित होकर संघर्ष करने का संदेश दिया गया । नाटकों की समीक्षा करते हुए निर्णायक श्री देवधर महंत एवं डॉ अजय पाठक ने सभी नाट्य दलों के कलाकारों को नाटक के कथानक को जीवंत रूप में दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करने पर साधुवाद देते हुए बधाई दी ।श्री राजेश कुमार तिवारी, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी एवं वरिष्ठ सामग्री प्रबंधक-।, द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर ने सभी नाट्य दलों के कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव 2025 केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं है, बल्कि समाज और राजभाषा हिंदी के विकास के लिए एक सृजनात्मक प्रयास भी है ।नाटक विचारों और भावों को दर्शकों तक पहुँचाने का सहज और प्रभावी माध्यम है ।यह भाषा को समृद्ध बनाती है और कर्मचारियों के बीच हिंदी भाषा के प्रति गर्व और अपनत्व का भाव जगाती है ।क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव - 2025 में प्रथम स्थान प्रधान कार्यालय, बिलासपुर द्वारा प्रस्तुत नाटक फ्लाइंग रानी, द्वितीय स्थान रायपुर मंडल के नाटक अपील तथा तृतीय स्थान बिलासपुर मंड़ल के नाटक ग्रहण ने प्राप्त किया ।इस प्रकार विजेता नाटक फ्लाइंग रानी को अखिल भारतीय रेल हिंदी नाट्योत्सव-2025 में मंचन के लिए चयनित किया गया ।कार्यक्रम का संचालन श्री पीताम्बर लाल जाटवर, राजभाषा अधिकारी (मुख्यालय) ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन राजेश कुमार तिवारी, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी एवं वरिष्ठ सामग्री प्रबंधक - ।ने किया ।

लाल बहादुर शास्त्री स्कूल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

बिलासपुर। बिलासपुर के लाल बहादुर शास्त्री स्कूल मैदान में 48 वें रावत नाचा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। नाचा महोत्सव में शामिल होने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव लालबहादुर शास्त्री शाला प्रांगण पहुंचे। आगमन पर महोत्सव के संरक्षक श्री कालीचरण यादव एवं समिति सदस्यों द्वारा पुष्पहार पहनाकर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री एवं अतिथियों ने भगवान श्री कृष्ण के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, चंद्रपुर विधायक रामकुमार यादव, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया, तथा महापौर सुश्री पूजा विधानी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पारंपरिक रावत नाचा वेशभूषा में मंच पर पहुंचकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि यदुवंशी समाज वह समाज है जहाँ प्रभु श्री कृष्ण ने जन्म लिया। छत्तीसगढ़ की नृत्य गायन परंपरा हमारी सांस्कृतिक समृद्धि एवं एकता का प्रतीक है। उन्होंने 'तेल फूल में लइका बाढ़ेज' दोहे के साथ यदुवंशी समाज और नर्तन दलों को आशीर्वचन भी दिया।

फल और सब्जियों के सेवन से भी कर सकते हैं पानी की कमी को पूरा

पानी स्वास्थ जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिसकी कमी होने पर मनुष्य को कई तरह की बीमारियां घेर सकती है। मानव शरीर का एक तिहाई हिस्सा पानी से बना होने के कारण दिन में इसे भरपूर मात्रा में पीना चाहिए। ताकि शरीर के विषैले पदार्थ आसानी से बाहर आ सकें। पानी की कमी को पूरा करने के लिए जरूरी नहीं कि केवल इसे पीने से ही पूर्ति होगी। आप कई फल और सब्जियों के सेवन से भी इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं और जिससे आप हेल्दी भी रह सकते हैं। आज हम आपको ऐसे फलों और सब्जियों के बारे में बताएंगे जिसे खाने से आप अपने शरीर में पानी की पूर्ति कर सकेंगे।

पालक - पालक सेहत के लिए काफी पौष्टिक आहार हैं। यह शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के साथ आयरन की कमी को भी पूरा करता है। पालक में पोटाशियम और फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

खीरा - खीरे का सेवन खाने के साथ सलाद और रायता के रूप में किया जाता है क्योंकि इसमें कई तरह विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं जो शरीर में पानी की कमी को पूरा करते हैं। यह कब्ज जैसी प्रॉब्लम में भी काफी फायदेमंद होता है।

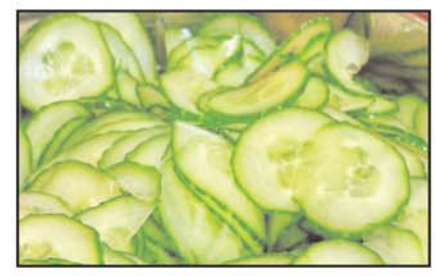

स्टार फ्रूट - यह स्वाद में खट्टा जरूर होता है लेकिन शरीर में पानी की कमी नहीं रहने देता। इसके अलावा इसमें कई एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन्स पाए जाते हैं जो शरीर को कई बीमारियों से बचाता है।

टमाटर - इसका प्रयोग ज्यादातर सब्जियों, सलाद, सॉस और चटनी बनाने में किया जाता हैं। लेकिन शरीर में पानी की पूर्ति के लिए इसे सलाद के रूप में खाना चाहिए। टमाटर में मौजूद विटामिन सी और आयरन शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है।

स्ट्रॉबेरी - इसमें ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में पानी की पूर्ति के साथ विटामिन ए, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉलिक एसिड, फास्फोरस आदि की मात्रा को भी पूरा करता है।

अंगूर - अंगूर में ग्लूकोज, मैग्नीशियम और साइट्रिक एसिड पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। यह डायबिटीज के रोगियों के लिए बहुत लाभदायक होते हैं। इसे खाने से प्यास भी कम लगती हैं।

आसान तरीकों से मिलेगी पेट की समस्या से निजात

पेट में गडबडी आम समस्या है, जिसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। क्यों ना इसका तुरंत समाधान कर चुस्त रहा जाए महिलाएं पेट की गडबडी की अधिक शिकार होती हैं। इसके कुछ कारण तो बहुत सामान्य होते हैं, पर कुछ ऐसे भी होते हैं, जिनके बारे में ज्यादा मालूम नही होता, इसलिए उस ओर हमारा ध्यान भी नही जाता।

कई महिलाएं माहवारी शुरू होने से पहले पेट में भारीपन, कब्ज और अतिसार की शिकायत करती हैं। माहवारी के शुरू होते ही स्थिति में अचानक बदलाव आता है और यह समस्या अपने आप दूर हो जाती है। सन डियागो में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ के अध्ययनो से पता चलता है कि एस्ट्रोजन हारमोन नसों के तंतुओं को प्रेरित कर आंतो से गुजरने वाले मल की गति को बढा देता है। इसी तरह माहवारी के पहले और माहवारी के दौरान पेट का फूलना एक आम समस्या है। इसका कारण प्रोजस्ट्रॉन हारमोन के स्तर में बदलाव आना है, जो गुर्दे के लिए पानी और नमक को रोककर रखने का संकेत हो सकता है। गर्भवती महिलाओं में पेट की गडबडी, खासतौर से खट्टी डकारें आने की समस्या अधिक होती है। अमेरिकन गैस्ट्रो एंट्रोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार 30 से 50 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं इस समस्या की शिकार होती है। इसका कारण हारमोनल और शारीरिक बदलाव होता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कैल्शियम सप्लीमेंट लेने से पेट के फूले होने और प्रीमेंस्ट्रुरअल सिंड्रोम के अन्य लक्षणों में सुधार हो सकता है। इसके साथ ही पानी भी अधिक मात्रा में पिएं। खट्टी डकारें खासतौर से गर्भावस्था में छुटकारा पाने के लिए रात को सिर के नीचे कई तकिए लगा कर सोएं। सिट्रस, पिपरमिंट, मिर्च-मसालेदार या फिर टमाटर से बनी चीजें खाने से परहेज करे, क्योंकि ये इस समस्या को बढावा देती हैं। तनाव वास्तव में हमारे पेट में एक अलग से नर्वस सिस्टम तंत्रिका तंत्र होता है, जो लाखों-करोडों नर्व कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। न्यूयार्क की कोलंबिया युनिवर्सिटी के माइकल गर्शन के अनुसार जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो दिमाग हमारे पेट को एसिड अधिक बनाने और आंतो के सिकुडने के काम में तेजी लाने संबंधी सिगनल भेजता है, जिससे खट्टी डकारें आती हैं, मरोड उठते हैं और अतिसार पेचिश हो जाता है। हमारा शरीर भी कुछ से हारमोन और रसायन पैदा करता है, जिससे हमारी पाचन क्रिया प्रणाली सुस्त या फिर ज्यादा सक्रिय हो जाती है। वास्तव में दिमाग और पेट के बीच इतना जबर्दस्त संबंध होता है कि जीवन मे तनावपूर्ण लम्हों जैसा तलाक या परिवार में किसी की मौत का असर प्रायः पेट की गडबडियों के रूप में देखने को मिलता है।

चेहरे पर नजर आ जाते हैं कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षण

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इस समस्या पर काबू नहीं पाने से आपको नसों के रोग, दिल के रोग, हार्ट अटैक और यहां तक कि स्ट्रोक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा होता है।

कोलेस्ट्रॉल एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जो खून में जमा होता है और इसका लेवल बढ़ने से नसों में ब्लॉकेज हो सकती है। सबसे चिंता की बात यह है कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का कोई खास लक्षण समझ नहीं आता है और जब तक पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। यही वजह है कि डॉक्टर समय-समय पर कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच कराने की सलाह देते हैं। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि कोलेस्ट्रॉल के लक्षण या संकेत बिल्कुल ही नहीं दिखते हैं। कुछ ऐसे लक्षण हैं, जो आपको अपने चेहरे पर नजर आ सकते हैं। हम आपको कोलेस्ट्रॉल के कुछ ऐसे लक्षण बता रहे हैं, जो किसी व्यक्ति के चेहरे पर दिखाई दे सकते हैं।

चेहरे पर दिखते हैं ये लक्षण

ज़ेन्थोमास

कई बार पलकों पर मुलायम उभार हो जाता है, जो हल्का पीला सा नजर आता है और छूने में बहुत मुलायम होता है, जिसे ज़ेन्थोमास कहा जाता है। इस स्थिति में पलकों की त्वचा के नीचे मोम जमा हो जाता है।

कॉर्नियल आर्कस

कई बार कॉर्निया के चारों ओर एक पतली सफेद रेखा दिखाई देती है। ऐसा माना जाता है कि कॉर्नियल आर्कस हाई कोलेस्ट्रॉल का एक बड़ा संकेतक है।

यह लक्षण भी दिख सकते हैं मुंह पर

चेहरे, गालों और माथे पर पीले रंग के उभार भी उच्च कोलेस्ट्रॉल का संकेत देते हैं। ये नितंबों, कोहनियों, हाथों और घुटनों पर भी दिखाई देते हैं।

सोरायसिस- यदि आपको अपने चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर त्वचा पर लाल और खुजली वाले धब्बे दिखाई दें तो तुरंत इसका इलाज कराएं। इसे सोरायसिस कहा जाता है। यह उन लोगों में भी देखी जाती है जिनके खून में कोलेस्ट्रॉल लेवल अधिक होता है।

सैचुरेटेड फैट से बचें

कोलेस्ट्रॉल का लेवल सैचुरेटेड फैट वाली चीजें जैसे कि रेड मीट, अंडे का पीला हिस्सा और तली हुई चीजों को खाने से बढ़ता है इसलिए इन चीजों का जितना हो सके कम सेवन करें। अपने खाने में प्रोटीन से भरपूर चीजों को अधिक शामिल करें।

रोजाना एक्सरसाइज है जरूरी

नियमित व्यायाम करने से एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) बढ़ सकता है और एलडीएल (बुरा कोलेस्ट्रॉल) को कम किया जा सकता है। यदि आपका वजन बढ़ गया है, तो इसे कम करने का प्रयास करें, क्योंकि वजन कम करने से कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है।

शराब और स्मोकिंग से बचें

धूम्रपान और अल्कोहल का सेवन कम करें या बंद करें, क्योंकि ये कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा स्ट्रेस को कम करने के लिए ध्यान, योग, और प्राणायाम का प्रयास करें, क्योंकि स्ट्रेस कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ाने का काम करता है।

फाइबर का अधिक सेवन करें

अपनी डाइट में फाइबर वाले फूड्स जैसे कि अनाज, फल, सब्जियां शामिल करें, क्योंकि यह एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा घी, मक्खन, और पालमा तेल की जगह जैतून का तेल, नारियल तेल और कैनोला तेल का उपयोग करें।

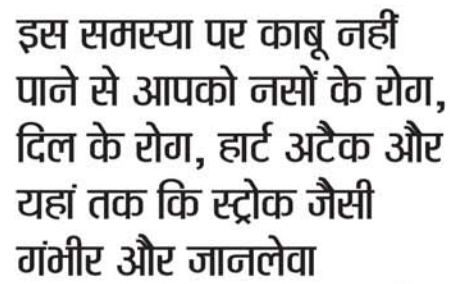

...तो कमजोर हो रही हैं आपकी आंखें

लैपटॉप, मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल करने से ज्यादातर लोगों की आंखों में प्रॉब्लम होनी शुरू हो जाती है। कुछ संकेतों से पता चलता है कि आपकी आंखें कमजोर हो रही हैं। ऐसे में उन संकेतों को इग्नोर नहीं करना चाहिए। आइए, जानते हैं आंखों के कमजोर होने के लक्षण क्या हैं।

आंखों में खुजली होना

लंबे समय तक लैपटॉप पर काम करने से आपकी आंखों में तनाव शुरू हो जाता है। ऐसे में आंखों में खुजली शुरू हो जाती है और आंखें बार-बार रगड़ने का मन करता है।

सुबह उठते ही धुंधला दिखना

सुबह उठने पर कुछ घंटों तक धुंधला दिखाई दे सकता है। ऐसे में आप कितनी बार ही आंखें धो लें लेकिन फिर भी आपको पूरी तरह साफ नजर नहीं आ पाता। उठने के काफी देर बाद आपकी नजर सामान्य होने लगती है।

आंखों से पानी आना

आंखों से पानी आना भी आंखें कमजोर होने का संकेत है। यह समस्या तब और भी बढ़ जाती है, जब आप कुछ लिखते, पढ़ते या फिर देखते हैं। आंखों से पानी आने की समस्या को रोकने का सबसे अच्छा उपाय है कि आंखों में कोई आयुर्वेदिक दवा डालें या फिर आप डॉक्टर से आंखें चेक कराने के बाद उनकी बताई दवा लें।

आंखें लाल होना

आंखों के कोनों का लाल होना भी आंखें कमजोर होने का संकेत है। ऐसी स्थिति में आपकी आंखें लाल ही नहीं होती बल्कि आंखें ड्राई भी हो जाती हैं।

सिरदर्द या सिर के पीछे दर्द

आंखें कमजोर होने पर पूरे दिन सिर में हल्का दर्द हो सकता है। कभी-कभी सिर के पीछे भी दर्द शुरू हो जाता है। खासतौर पर जब आप आंखें झुकाकर नीचे देखते हैं, तो परेशानी बढ़ जाती है।

कई खतरनाक बीमारियों से बचाता है मशरूम

मशरूम खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। वैसे तो मशरूम की सब्जी हर कोई खाना पसंद करता है लेकिन शायद ही कोई इसके फायदे जानता हो। एंटी-ऑक्सीडेंट्स, प्रोटीन, विटामिन डी, सेलेनियम और जिंक से भरपूर मशरूम का इस्तेमाल कई दवाइयां बनाने के लिए किया जाता है। इसमें मौजूद पौषक तत्व आपके शरीर को कई खतरनाक बीमारियों से बचा कर रखते है। इसके अलावा इसका सेवन इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है। आइए जानते है कई गुणों से भरपूर मशरूम का सेवन करने से आप किन बीमारियों से बच सकते है।

कैंसर का खतरा

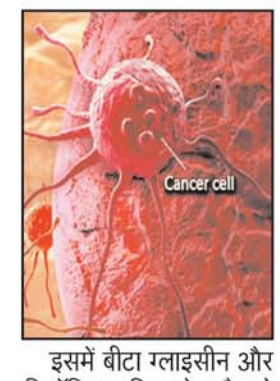

इसमें बीटा ग्लाइसीन और लिनॉलिक एसिड होता है, जो आपको प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को कम करता है।

इम्युनिटी पावर

सेलिनियम से भरपूर मशरूम इम्यून पॉवर को बढ़ाने के साथ-साथ सर्दी-खांसी और जुकाम जैसी समस्याओं को शरीर से दूर रखते है।

वजन कम करना

मशरूम का सेवन करने से वजन जल्द से जल्द कम करने में मदद मिलती है। आप इसे उबाल कर ब्रेकफास्ट में शामिल कर सकते है।

शुगर लेवल

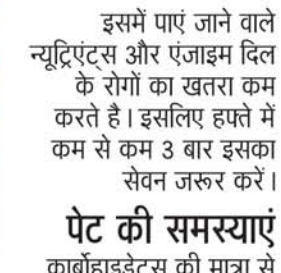

मशरूम में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा कम होने के कारण यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मददगार होते है। डायबिटीज मरीजों के लिए यह सबसे अच्छा फूड है।

दिल के रोग

इसमें पाएं जाने वाले न्यूट्रिएंट्स और एंजाइम दिल के रोगों का खतरा कम करते है। इसलिए हफ्ते में कम से कम 3 बार इसका सेवन जरूर करें।

पेट की समस्याएं

कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा से भरपूर मशरूम का सेवन अपच, पेच दर्द, कब्ज, गैस और एसिडिटी की समस्या को भी दूर करता है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत स्कूल में अभिव्यक्ति कार्यक्रम का आयोजन

विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम की जानकारी दी गई

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत बाल दिवस के उपलक्ष्य पर जिले के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल हनोदा में हर बालिका राष्ट्र की पूंजी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सखी वन स्टॉप सेंटर केन्द्र सरकार द्वारा संचालित एक अम्ब्रेला योजना है जिसके अंतर्गत महिलाओं को एक ही छत के नीचे मुख्य रुप से पांच प्रकार सुविधाएं मुहैया कराई जाती है, ये सुविधाएं है- आश्रय, परामर्श, चिकित्सा, विधिक सहायता व पुलिस की सहायता। इस कार्यक्रम में विभागीय जानकारी जैसे, चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098 के बारे में बताया गया कि किसी भी संकटग्रस्त एवं संदिग्ध बच्चे की सहायता हेतु इस टोल फ्री नंबर का उपयोग किया जा सकता है। पॉक्सो अधिनियम के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि भारत में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन शोषण और उत्पीड़न से बचाने के लिए बनाया गया एक कानून है। यह कानून यौन अपराधों को परिभाषित करता है, जिनमें यौन उत्पीड़न, यौन हमला और पोनोग्राफी शामिल है। इस अधिनियम के तहत् 18 साल से कम उम्र के बच्चे की सहमति अप्रासंगिक है और यौन शोषण के लिए कठोर दंड का प्रावधान है। 12 साल से कम उम्र के बच्चे के साथ बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास या मृत्युदंड तक की सजा हो सकती है। यौन हमले के मामलों में कम से कम 10 साल की कठोर कैद से लेकर आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा को सकती है। स्कूली बालिकाओं के बीच परिवार में बेटियों के अधिकार थीम के अनुरुप निबंध प्रतियोगिता, लघु भाषण प्रतियोगिता एवं कविता वाचन प्रतियोगिता रखी गई। प्रतियोगिता में बच्चों ने रुचि दिखाते हुए बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया एवं स्वयं के अधिकार, समाजिक कुरीतियों जैसे- लिंग भेदभाव, समान शिक्षा का अधिकार, पैतृक संपत्ति में बेटियों का अधिकार जैसे अहम् मुद्दो पर अपने विचार उपरोक्त प्रतियोगिताओं के माध्यम से साझा किए। इसके साथ ही भविष्य में समाज के साथ कदम से कदम मिला कर चलने की कही। विभाग की टीम व अपने गुरुजनों के समक्ष भविष्य के प्रति अपनी संकल्पनाओ को पूरे आत्मविश्वास के साथ अभिव्यक्त किया।

भाषण, कविता व निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए पुरस्कृत किया गया। इस दौरान प्राचार्य मती सुभाषिणी झा, शिक्षकगण व विभाग के विभागीय कर्मचारी एचं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने किया सड़क सीमेंटकरण कार्य का भूमिपूजन

ब्रह्माकुमारी संस्था की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के मुख्य आतिथ्य में आज दुर्ग नगर के लिए एक और महत्वपूर्ण विकास कार्य का शुभारंभ किया गया। मंत्री यादव ने 77.52 लाख रुपये की लागत से ब्रह्माकुमारी आनंद सरोवर होते हुए बाईपास तक 0.80 किलोमीटर लंबाई की सड़क के सीमेंटीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। यह निर्माण कार्य छत्तीसगढ़ राज्य कृषि उपज मंडी समिति के मद से किया गया। इस अवसर पर मंत्री यादव ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हुई है। इस सड़क के निर्माण से दुर्ग के शहरवासियों और ग्रामीणवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी, जिससे जनजीवन की गतिविधियों को गति मिलेगी। मंत्री यादव ने कहा कि गांव के वातावरण को बनाए रखना है और यहां की संस्कृति को नहीं छोड़ना है। उन्होंने कहा कि बघेरा लोक कलाकारों का केन्द्र है, इसे सहेजना और संवारना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में नगर पालिक निगम सभापति श्याम शर्मा, पार्षद ललित ढीमर, कुमारी साहू, ब्रह्मकुमारी रूपाली दीदी और भारती दीदी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं नगरवासी उपस्थित रहे। मंत्री यादव ने कहा कि राज्य सरकार शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण कर नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में दुर्ग शहर में कई अन्य विकास कार्यों की शुरुआत की जाएगी।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की मानवता भरी पहल,महाराष्ट्र में मृत मजदूर का पार्थिव शरीर सम्मान के साथ सूरजपुर पहुंचाया गया

सूरजपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने एक बार फिर अपनी मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए महाराष्ट्र में हुई एक मजदूर की आकस्मिक मृत्यु के बाद उसके पार्थिव शरीर को सम्मानपूर्वक गृह ग्राम तक लाने की व्यवस्था सुनिश्चित की। उनके इस त्वरित और संवेदनशील निर्णय की पूरे सूरजपुर जिले में व्यापक सराहना हो रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरजपुर जिले के ओड़गी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत करवां निवासी श्री कैलाश चेरवा महाराष्ट्र के जिला चंद्रपुर के राजूरा उपजिला रुग्णालय क्षेत्र में मजदूरी कर अपने परिवार का जीवन-यापन कर रहे थे। बताया गया कि काम खत्म कर वापस लौटते समय उनकी अचानक मृत्यु हो गई। अप्रत्याशित घटना की सूचना मिलते ही परिवार शोकाकुल हो उठा और घर पर मातम का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए ग्राम पंचायत करवां की सरपंच द्वारा मंत्री श्रीमती राजवाड़े से तत्काल सहयोग का निवेदन किया गया। निवेदन मिलते ही मंत्री राजवाड़े ने बिना देर किए मृतक के परिजनों को महाराष्ट्र भेजने की त्वरित व्यवस्था कराई। इसके बाद स्थानीय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के सहयोग से मृतक कैलाश चेरवा का पार्थिव शरीर सम्मानपूर्वक उनके गृह ग्राम करवां तक लाया गया। मंत्री राजवाड़े की इस पहल ने शोकग्रस्त परिवार को न केवल सहारा दिया, बल्कि पूरे क्षेत्र में यह संदेश भी दिया कि मानवता सर्वोपरि है और संकट की घड़ी में सरकार संवेदनशीलता के साथ नागरिकों के साथ खड़ी है।

भिलाई में तकनीक और संस्कृति का विराट समागमः हैकथॉन 2K25 और संविद फेस्ट की तैयारियां पूरी

भिलाई। श्री शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस और श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में नवंबर 2025 में दो प्रमुख आयोजनों की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं, जिनमें तकनीक और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। हैकथॉन 2K25 - हैकबायोस और संविद-टेक्नो कल्चर फेस्ट 2K2025 नामक इन आयोजनों में देशभर से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है।

हैकथॉन 2K25-हैकबायोस (17-18 नवंबर 2025): यह दो दिवसीय हैकथॉन देशभर के तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों को एक मंच प्रदान करेगा। प्रतिभागी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), साइबर सिक्योरिटी, हेल्थ टेक, ग्रीन टेक और स्मार्ट सॉल्यूशन्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने नवाचारी प्रोजेक्ट प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम के दौरान उद्योग विशेषज्ञों और तकनीकी मेंटर्स द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट्स को पुरस्कारों के साथ-साथ इन्क्यूबेशन सहायता भी दी जाएगी, जिससे उनके विचारों को ज़मीनी हकीकत में बदला जा सके। संविद-टेक्नो कल्चर फेस्ट 2K2025 (18-20 नवंबर 2025): तीन दिवसीय 'संविद' फेस्ट तकनीकी और सांस्कृतिक गतिविधियों का एक विस्तृत आयोजन होगा। इसमें रोबोटिक्स, टेक-क्विज़, मॉडल प्रदर्शन, फैशन शो, नृत्य-संगीत प्रस्तुतियाँ, कला प्रदर्शनियाँ, ई-स्पोर्ट्स, ओपन माइक और विभिन्न कार्यशालाएँ शामिल हैं। इस फेस्ट का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता और नेतृत्व क्षमता को एक राष्ट्रीय स्तर का मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सिद्धार्थ चौबे और प्रो. समता गजभिये ने बताया कि इन आयोजनों में विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। उद्योग जगत और अकादमिक क्षेत्र के विशेषज्ञ भी इन कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

उन्होंने ज़ोर दिया कि ऐसे आयोजन युवाओं को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन आयोजनों के बारे में अधिक जानकारी और पंजीकरण के लिए, इच्छुक प्रतिभागी संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं या संबंधित विभागों से संपर्क कर सकते हैं।

इस्पात नगरी भिलाई में सनसनीः जामुल में युवक पर जानलेवा हमला, फायरिंग में बाल-बाल बचा

भिलाई। छत्तीसगढ़ के जामुल थाना क्षेत्र में एक युवक पर अज्ञात हमलावरों द्वारा गोली चलाने की घटना सामने आई है। इस हमले में युवक बाल-बाल बच गया और उसे कान के पास हल्की चोट लगी है। यह घटना जामुल थाना इलाके में हुई। स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दिए जाने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से गोली के अवशेष बरामद हुए हैं और आसपास की दीवारों पर भी फायरिंग के निशान मिले हैं, जिससे पता चलता है कि हमलावरों ने एक से अधिक बार गोली चलाई थी। प्रारंभिक जांच में पुलिस इस घटना के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका जता रही है। जामुल पुलिस ने इस मामले में अपराध दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए.सीएसपी हेम प्रकाश नायक ने बताया कि,प्रार्थी विकास प्रजापति ने बताया कि,उसे फोन कर के कैलाश नगर बुलाया गया और उस पर गोली चलायी गई.हमने इस मामले में क्राईम दर्ज कर ली है.पर ये मामला थोड़ा संदेहास्पद है.जिसकी हम जाँच कर रहे है जल्द ही इस मामले की तह तक जाएंगे और इसका खुलासा करेंगे.

बिरसा मुंडा की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी वर्चुअल माध्यम से हुए शामिल

- भिलाई कला मंदिर में जनजातीय गौरव दिवस मनाई गई

भिलाई। शहीद बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर भिलाई के कला मंदिर में 'जनजातीय गौरव दिवस' का गरिमामय आयोजन किया गया। इस मौके पर आदिवासी समाज के प्रतिभावान बच्चों व समाज के गणमान्य लोगों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन दुर्ग सांसद विजय बघेल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, छत्तीसगढ़ आदिम जाति विकास विभाग के सोनमणि वोरा, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिंह, अन्य जनप्रतिनिधि और जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह भी मौजूद रहे। सांसद विजय बघेल ने मुख्यमंत्री के संदेशों का वाचन किया। इसके बाद, जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल रूप से शामिल हुए और उन्होंने देशभर के आदिवासियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने आदिवासियों के उत्थान के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। कला मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित रहे। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर समाज के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान भी किया गया। बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे दुर्ग सांसद विजय बघेल ने भगवान बिरसा मुंडा के देश के लिए दिए गए योगदान को याद किया और सभी को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई दी।इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

आधी-अधूरी तैयारियों के बीच धान खरीदी शुरू

आंदोलनकारी कर्मचारियों की जगह वैकल्पिक स्टाफ तैनात

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश सरकार के आव्हान के बाद,दुर्ग जिले में शनिवार से आनन-फानन में धान खरीदी शुरू कर दी गई है। यह खरीदी ऐसे समय में शुरू हुई है जब धान खरीदी केंद्रों के नियमित कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन पर बैठे हुए हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने वैकल्पिक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाते हुए व्यवस्था संभाली है। शनिवार को धान खरीदी शुरू होने पर, दुर्ग जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह ने खुद चंद्खुरी स्थित धान खरीदी केंद्र पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने इस मौके पर कहा कि शासन के निर्देशानुसार सभी केंद्रों में धान सुचारू रूप से खरीदा जा सके, इसके लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अन्य विभागों के कर्मचारियों की ड्यूटी धान खरीदी केंद्रों में लगाई गई है साथ ही ऐप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन लेने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। जिले में इस वर्ष 1 लाख 8 हजार 727 किसानों ने धान बेचने के लिए पंजीयन कराया है.जिसमें 4806 नए किसान शामिल हैं। आपको बता दें,पिछले साल 102 केंद्रों में खरीदी हुई थी, जबकि इस बार 118 केंद्रों में यह व्यवस्था की गई है। हालांकि,कर्मचारियों की हड़ताल के कारण प्रशासन द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने के बावजूद, जिले में अब तक केवल 116 किसानों ने ही 6678 क्विंटल धान बेचने के लिए टोकन लिया है। ऐसे में आधी-अधूरी तैयारियों के बीच धान खरीदी शुरू होने से व्यवस्थाओं को लेकर संशय बना हुआ है।

बे सहारा परिवार को दिया सहारा, सेवा दिवस के रूप में मनाया गया विशेष दिन

सर्व समाज कल्याण समिति के महासचिव मलकीत सिंह के जन्मदिन पर मानवता की मिसाल दिव्यांग बच्चों को वितरित किए कंबल

भिलाई। समाजसेवा की मिसाल पेश करते हुए सर्व समाज कल्याण समिति, भिलाई ने अपने महासचिव, समाजसेवी एवं उद्योगपति मलकीत सिंह के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने प्रयास श्रवण दिव्यांग संस्थान पहुंचकर 103 दिव्यांग बच्चों को कंबल वितरित किए और उनका स्नेहपूर्वक हालचाल जाना। साथ ही भविष्य में हर संभव सहयोग करने का आश्वासन भी प्रदान किया। समाजसेवा को जीवन का मुख्य उद्देश्य मानने वाले मलकीत सिंह ने कहा कि जन्मदिन जैसे अवसर तभी सार्थक होते हैं, जब हम किसी जरूरतमंद के जीवन में मुस्कान ला सकें। उनकी संवेदनशीलता एवं समाज के प्रति समर्पण ने इस कार्यक्रम को विशेष और प्रेरणादायक बनाया।

अंतिम संस्कार में दिया मानवीय सहयोग- सेवा दिवस के दौरान समिति ने एक और सामाजिक जिम्मेदारी निभाई। स्व. परमशिला गुप्ता के अंतिम संस्कार को पूर्ण विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया। उनके परिवार में पति एवं बेटियाँ हैं और अन्य कोई सदस्य उपलब्ध न होने की स्थिति में परिवार ने समिति से सहायता की अपील की थी, जिसे समिति ने सम्मान और श्रद्धा के साथ पूरा किया।

समिति की प्रतिबद्धता—सेवा ही सबसे बड़ा उत्सव- दिव्यांग बच्चों की मदद और बे सहारा परिवार के अंतिम संस्कार में सहयोग–दोनों कार्य समिति की संवेदनशीलता और समाजसेवा की मजबूत सोच को दर्शाते हैं। यह सेवा भाव समाज में मानवीय मूल्यों की उदाहरणीय मिसाल प्रस्तुत करता है।

उपस्थित पदाधिकारी- सेवा दिवस कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (छोटू), अनिल सिंह, जोगा राव, सोम सिंह, हरजिंदर सिंह सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मानवता ही मलकीत सिंह का परिचय- सफल व्यवसायी होने के साथ-साथ समाजसेवा के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायक है। जन्मदिन पर किया गया यह सेवा कार्य उनके व्यक्तित्व को और अधिक उज्ज्वल बनाता है तथा समाज के लिए यह संदेश देता है–उत्सव वही, जिसमें किसी की मदद होज जन्मदिन वही, जिसमें किसी के जीवन में मुस्कान आए।

जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों में एंटी-रेबीज वैक्सीन एवं रेबीज इम्युनोग्लोब्युलिन की उपलब्धता

दुर्ग। भारत सरकार के राष्ट्रीय रेबीज संक्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्ग जिले में रेबीज की रोकथाम एवं नियंत्रण का कार्य किया जाता है। सीएमएचओ के अनुसार जिले में एंटी रेबीज वैक्सीन और रेबीज इम्युनोग्लोब्युलिन की दवाएं चंदूलाल चन्द्राकर चिकित्सा महाविद्यालय दुर्ग, जिला चिकित्सालय दुर्ग, सिविल अस्पताल सुपेला, ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिलाई, चरौदा एवं दुर्ग शहरी क्षेत्र में उपलब्ध है। ये दवाएं निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती है। रेबीज से बचाव के लिए क्या करें- किसी भी पशु के काटने या खरोंचने पर तुरंत साबुन और बहते पानी से कम से कम 15 मिनट तक घाव धोएं। घाव को धोने के बाद कोई तेल, हल्दी या अन्य पदार्थ न लगाएं। तुरंत निकटतम स्वास्थ्य या अस्पताल जाएं। चिकित्सक द्वारा बताई गई टीका श्रृंखला पूरी करें। अपने पालतू पशुओं को नियमित रूप से रेबीज वैक्सीन लगवाएं। क्या न करें- घाव को काटें, दबाएं या छेड़ें नहीं। झाड़-फूं क, ताबीज या घरेलू उपचारों पर भरोसा न करें। पशु काटने की घटना को अनदेखा न करें। टीकाकरण को बीच में अधूरा न छोड़ें। जिले के सभी नागरिकों से अपील की गई है कि पशु काटने की किसी भी घटना की तुरंत सूचना दें और बिना विलंब स्वास्थ्य संस्थान पहुंचकर टीकाकरण करवाएं। रेबीज से बचाव के लिए समय पर उठाया गया छोटा कदम जीवन रक्षक साबित हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com